रेलवे की एनटीपीसी परीक्षा में अनियमितता का आरोप लगाते हुए छात्रों द्वारा सोमवार की शाम राजेंद्र नगर टर्मिनल पर अप व डाउन रेल लाइन को जामकर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह बाधित कर दिया गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 44 दिनांक: 25-01-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

गणतंत्र दिवस परेड को लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार गाइडलाइंस जारी कर दी है। परेड में शामिल होने से पहले लोगों को दिल्ली पुलिस की एडवाइजरी पढ़ना जरूरी है। स्वतंत्रता दिवस की परेड में कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराया

बिहार में छात्रों का बड़ा बवाल, पटना-कुर्ला एक्सप्रेस में लगाई आग; राजधानी व संपूर्ण क्रांति रद

पटना। रेलवे की एनटीपीसी (नन टेक्निकल पापुलर कैटेगरी) परीक्षा में अनियमितता का आरोप लगाते हुए सोमवार को हजारों की संख्या में परीक्षार्थी राजधानी पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल पहुंच गए। दोपहर बाद 2.30 बजे से ही अप व डाउन ट्रैक को जाम कर दिया। शाम तक अफरातफरी की स्थिति रही। प्रदर्शन के कारण कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया तो राजधानी और संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस को रद करना पड़ा। रात में उग्र छात्रों ने राजेंद्र नगर कोचिंग काम्प्लेक्स में खड़ी कुर्ला एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगा दी। हालांकि इस दौरान ट्रेन में कोई यात्री नहीं बैठा था। इससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई है। आरा में भी छात्रों ने बवाल शुरू कर दिया।

शुरू में 300-400 छात्र ही राजेंद्र नगर टर्मिनल पर पहुंचे थे। दो घंटे बाद इनकी संख्या हजारों में हो गई। इसके बाद छात्रों ने अप व डाउन दोनों ही ट्रैक जाम कर हंगामा करना शुरू कर दिया। रेल पुलिस अधीक्षक व आरपीएफ कमांडेंट मौके पर पहुंचे और समझाया पर छात्रों ने किसी की नहीं सुनी। हंगामा कर रहे छात्रों को मनाने जब मंडल रेल प्रबंधक प्रभात कुमार पहुंचे तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की की गई। छात्र महाप्रबंधक व मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने के लिए देर शाम तक अड़े रहे। इस दौरान दो दर्जन से अधिक ट्रेनों को जहां-तहां रोककर रखना पड़ा। राजधानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें घंटों फंसी रहीं। बाद में कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर भेजा गया। देर शाम तक छात्र रेलवे ट्रैक पर ही डटे रहे।

कई ट्रेनें डायवर्ट : छात्रों के हंगामे के कारण कई ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा। विक्रमशिला एक्सप्रेस को किउल से गया होते हुए आनंद विहार टर्मिनल भेजा गया है। इसके साथ ही कुछ ट्रेनों को पाटलिपुत्र से वाया शाहपुर पटोरी, बरौनी भेजा गया है। पटना राजधानी एक्सप्रेस व संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस को रद कर दिया गया है। रेलवे की ओर से बताया गया कि छात्रों को गुमराह किया जा रहा है। कुल 13 श्रेणी के लिए विज्ञापन निकाला गया था। इसे पांच समूहों में बांटा गया है। लेवल दो से छह तक रखा गया है। हर श्रेणी में चरणबद्ध तरीके से नियुक्ति की प्रक्रिया अपनाई गई है। रेलवे की ओर से पूरी तरह पारदर्शिता बरकरार रखी गई है।

पटना जंक्शन व पटना सिटी समेत तमाम स्टेशनों पर ट्रेनें खड़ी रहीं। भागलपुर से नई दिल्ली जाने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस को रेलवे ट्रैक जाम होने के कारण वाया किउल-गया-डीडीयू आनंदविहार भेजा गया। दो घंटे तक पटना जंक्शन पर खड़ी 13402 भागलपुर इंटरसिटी एवं 18626 कोशी एक्सप्रेस को वाया पाटलिपुत्र-हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी होकर चलाया गया। इस्लामपुर से नई दिल्ली जाने वाली मगध एक्सप्रेस को फतुहा स्टेशन पर ही रोककर रखना पड़ा। हावड़ा से दिल्ली जा रही 12303 पूर्वा एक्सप्रेस को फतुहा में ही रोककर रखना पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने राजेंद्र नगर टर्मिनल पर मालगाड़ी रोककर ट्रैक को पूरी तरह बाधित कर दिया था। नई दिल्ली से इस्लामपुर जाने वाली मगध एक्सप्रेस को पटना जंक्शन पर ही रोककर रखना पड़ा। बाद में इसी ट्रेन को हटिया के लिए पटना जंक्शन से ही रवाना किया गया।

पटना से इस्लामपुर के बीच इसे रद कर दिया गया। आरा में भी छात्रों द्वारा जाम लगाए जाने के कारण कुंभ एक्सप्रेस को आरा के पहले ही रोक कर रखा गया। कोटा एक्सप्रेस, विभुति एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों को आरा के पहले ही रोककर रखा गया। पटना मोकामा के बीच चलने वाली चार जोड़ी सवारी गाड़ियों को भी जहां-तहां रोककर रखना पड़ा। 02273 दुरंतो एक्स को फतुहा में, 03331 धनबाद इंटरसिटी को खुसरुपुर में, 03261 को फतुहा में, इस्लामपुर से नई दिल्ली जाने वाली मगध एक्सप्रेस को फतुहा में, 13233 राजगीर दानापुर इंटरसिटी को वेणा में, 18183 टाटा पटना को बख्तियारपुर में, 13204 जयनगर गरीब रथ पटना जंक्शन पर फंसी रही। इसके साथ ही 03214 मोकामा सवारी गाड़ी को रद करने की घोषणा की गई। ट्रेनों के परिचालन अस्त-व्यस्त रहने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय कर्मचारियों को जल्द मिलेगा नए साल का बंपर तोहफा

-कई सरकारी कर्मचारियों के खाते में 2 लाख रुपये से ज्यादा मिल सकते हैं

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय कर्मचारियों को जल्दी ही नए साल का बंपर तोहफा मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार इन कर्मचारियों के 18 महीने के पेंडिंग डीए को जल्द क्लियर करने वाली है। महंगाई भत्ते के एरियर पर केंद्रीय कैबिनेट की अगली बैठक में फैसला हो सकता है। यदि 18 महीने का पेंडिंग डीए का भुगतान किया गया तो कई सरकारी कर्मचारियों के खाते में 2 लाख रुपये से भी ज्यादा मिल सकते हैं।

जानकारी के अनुसार वित्त मंत्रालय, डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग और व्यय विभाग के अधिकारियों के साथ जेसीएम की जल्द ही बैठक होगी। इसमें डीए एरियर के एकमुश्त पेमेंट पर चर्चा होने की संभावना है। लेवल-1 के कर्मचारियों का डीए बकाया 11,880 रुपये से 37,000 रुपये के बीच होगा। वहीं, लेवल-13 के कर्मचारियों को 1,44,200 रुपये से 2,18,200 रुपये डीए एरियर के तौर पर मिलेगा। संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि डीए बहाल किया जा रहा है। दूसरी ओर, केंद्रीय कर्मचारियों के डीए के साथ ही उनके हाउस रेंट अलाउंस में भी बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी कर्मचारियों को 31 फीसदी डीए मिल रहा है, लेकिन यह बढ़कर 34 फीसदी हो सकता है। जुलाई 2021 में डीए बढ़ाकर 28 फीसदी कर दिया गया था। उस दौरान एचआरए भी रिवाइज हो गया था। अभी शहरी कैटेगरी के हिसाब से एचआरए की दर 27 फीसदी, 18 फीसदी और 9 फीसदी है। बीते अक्टूबर में सरकार ने डीए को 28 फीसदी से बढ़ाकर 31 फीसदी कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि सरकार ने साल 2015 में एक मेमोरेंडम जारी कर कहा था कि एचआरए को बढ़ते डीए के साथ समय-समय पर रिवाइज किया जाएगा। बताया जा रहा है कि हाउस रेंट अलाउंस में अगला रिविजन 3 फीसदी का होगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 1545 अंक नीचे आया

निवेशकों के डूबे 10.5 लाख करोड़ रुपए

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन घरेलू बाजार टूट गया। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से भी बाजार धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा। बाजार में सुबह से ही गिरावट आने लगी जो दोपहर के कारोबार में और बढ़ गयी। सभी सूचकांक घाटे में रहे। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,545.67 अंक करीब 2.62 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,491.51 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 468.05 अंक तकरीबन 2.66 फीसदी नीचे आकर 17,149.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी शेयर नीचे आये। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस के शेयर में रही। यह करीब छह प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, विप्रो, टेक महिंद्रा, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयरों में भी गिरावट रही।

जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की बेरुखी से भी बाजार प्रभावित हुआ। बिकवाली इतनी तेज थी कि दोनों मानक सूचकांक करीब 3-3 प्रतिशत नीचे आ गये।

बाजार नीचे आने से निवेशकों के 10.5 लाख करोड़ रुपए डूब गए। शुक्रवार को मार्केट कैप 270 लाख करोड़ रुपए था जो आज 260.44 लाख करोड़ रुपए रहा। आज के कारोबार में बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। इंट्रा-डे में निफ्टी 17,000 के नीचे फिसला लेकिन फिर इसमें हल्की रिकवरी आई और यह अंत में 17100 के ऊपर बंद होने में कामयाब रहा। आज के कारोबार में रियल्टी, मेटल, आईटी इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। आज के कारोबार में रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 74.56 के स्तर पर बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों के साथ ही आज छोटे-मझोले शेयरों में भी भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.93 फीसदी टूटकर 23,970.71 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 4.42 अंक गिरकर 28,642.29 के स्तर पर बंद हुआ।

गौरतलब है कि भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांच दिनों से गिरावट का सिलसिला जारी है।

शिवसेना ने भाजपा के साथ 25 साल गठबंधन करे अपने समय बर्बाद किया

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने फिर से भाजपा पर हमला किया है। भाजपा पर राजनीतिक सुविधा के अनुसार हिंदुत्व का इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना राज्य के बाहर अपना प्रसार करेगी और उसका लक्ष्य राष्ट्रीय भूमिका को हासिल करने का है। शिवसेना संस्थापक और अपने पिता बाल ठाकरे की 96वी जयंती पर उद्धव ने दावा किया कि शिवसेना ने सत्ता के माध्यम से हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाया था।इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि शिवसेना ने सत्ता की खातिर कभी हिंदुत्व का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने हिंदुत्व को नहीं, बल्कि भाजपा ने छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि भाजपा का अवसरवादी हिंदुत्व बस सत्ता के लिए है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में जो 25 साल निकाले वह बर्बाद गए।उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का मतलब हिंदुत्व नहीं है। मैं अपने बयान पर पूरी तरह से कायम हूं कि शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में 25 साल बर्बाद कर दिया। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा से अलग हो चुकी शिवसेना फिलहाल महाराष्ट्र में एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम लोग भाजपा को उसकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए दिल खोलकर साथ दिया। लेकिन हमारे साथ धोखा किया गया और हमें हमारे ही घर में मिटाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि बाबरी के बाद हिंदुस्तान में हमारी लहर थी, अगर हम इनदिनों उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ते हैं,तब देश में हमारा (शिवसेना पार्टी का) पीएम होता। लेकिन शिवसेना ने बीजेपी के लिए सब कुछ छोड़ दिया।

शरजील इमाम पर चलेगा देशद्रोह का केस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और दिल्ली के जामिया इलाके में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए कार्यकर्ता शारजील इमाम के खिलाफ सोमवार को आरोप तय किए। जिन कथित भड़काऊ भाषणों के लिए इमाम को गिरफ्तार किया गया था, वे 13 दिसंबर, 2019 को जामिया मिलिया इस्लामिया में और 16 जनवरी, 2020 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दिए गए थे। वह 28 जनवरी, 2020 से न्यायिक हिरासत में हैं। शरजील पर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने आरोप तय किए। आदेश की एक विस्तृत कॉपी बाद में उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है। इमाम पर देशद्रोह, धर्म, नस्ल, जन्म स्थान के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक आरोप, और भारतीय दंड संहिता के तहत सार्वजनिक शरारत, और गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम के तहत गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली पुलिस ने मामले में इमाम के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने कथित तौर पर केंद्र सरकार के प्रति घृणा, अवमानना और असंतोष को भड़काने वाले भाषण दिए और लोगों को उकसाया जिसके कारण दिसंबर 2019 में हिंसा हुई।

महाराष्ट्र में सहकारी चीनी मिलों की बिक्री में 25,000 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया अन्ना ने

मुम्बई (ईएमएस)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र में सहकारी चीनी मिलों की बिक्री में कथित तौर पर 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। एना ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बेहद कम कीमतों पर चीनी मिलों की बिक्री की सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच की मांग की है। शाह को लिखे अपने पत्र में हजारे ने अनुरोध किया कि कथित घोटाले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की जाए।

हजारे ने लिखा, हम 2009 से मामूली कीमत पर राजनेताओं की मिलीभगत से चीनी मिलों की बिक्री के खिलाफ और सहकारी वित्तीय संस्थानों में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। 2017 में हमने मुंबई में एक शिकायत दर्ज की थी और शिकायत की जांच के लिए एक डीआईजी रैंक के अधिकारी को नियुक्त किया गया था।

उन्होंने कहा कि दो साल बाद एक क्लोजर रिपोर्ट पेश की गई जिसमें कहा गया था कि कोई अनियमितता नहीं पाई गई। अगर महाराष्ट्र सरकार 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है, तो कार्रवाई कौन करेगा? उन्होंने कहा कि केंद्र ने किसानों के कल्याण और सहकारी क्षेत्र में सुधार के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया है।

उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यह एक अच्छा उदाहरण होगा यदि केंद्र एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करके महाराष्ट्र में चीनी मिलों की बिक्री की जांच करे।

शरद पवार कोरोना संक्रमित, संपर्क में आए लोगों से की जांच की अपील

मुंबई, (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार कोरोना संक्रमित हो गए हैं. इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट करके दी है. पवार ने संपर्क में आए सभी लोगों से कोरोना टेस्ट कराने की अपील की है. शरद पवार ने ट्वीट कर कहा, 'मैं कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है. डॉक्टर के निर्देशों का पालन कर रहा हूं. उन्होंने कहा कि पिछले दिनों में जो भी लोग मेरे संपर्क में आएं हैं वह भी कोराना जांच कराएं और जरूरी सावधानी बरतें'.बता दें कि इससे पहले शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और दामाद सदानंद भी कोरोना संक्रमित पाए गए थे.

जिन्ना से जो करे प्यार वह पाकिस्तान से कैसे करे इनकार :भाजपा

लखनऊ (ईएमएस)।देश का असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं है। एक इंटरव्यू में अखिलेश यादव की ओर से दिए गए बयान को भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बना लिया है।अभी तक 'जिन्ना' वाले बयान पर अखिलेश को घेर रही बीजेपी ने उन्हें 'पाकिस्तान प्रेमी बताने में जुटी है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने अखिलेश पर जोरदार पलटवार कर कहा कि याकूब मेनन फांसी पर चढ़ गया नहीं,तब अखिलेश उसे भी टिकट देते वह कसाब को स्टार प्रचारक बना लेते। संबित पात्रा ने कहा, ''एक तरफ जहां पूरा देश उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मना रहा है। वहीं अखिलेश ने कहा कि पाकिस्तान हिन्दुस्तान का असली दुश्मन नहीं है। अखिलेश यादव का कहना कि वह पाकिस्तान को भारत का असली दुश्मन नहीं मानते और बीजेपी केवल वोट की राजनीति की वजह से पाकिस्तान को दुश्मन मानती है। दुखद, चिंताजनक और शर्मनाक। तुरंत अखिलेश यादव को इस पर माफी मांगनी चाहिए।''

बीजेपी प्रवक्ता ने पूछा अखिलेश जी क्या कश्मीर के बंधु हमारे भाई नहीं? जिन कश्मीर के बंधुओं पर रोज पाकिस्तान की गोली चलती है। गोलाबारी होती है,और निहत्थे लोग निर्दोष लोग पाकिस्तान की ओर से भेज आतंकी द्वारा मारे जाते हैं।इनदिनों जिस तरह पाकिस्तान साजिश के तहत आतंकी हमले करता है, क्या भारत का दुश्मन पाकिस्तान नहीं है। आपका यह कहना कि भारत का असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं है,यह तब बीजेपी दुश्मन बना रही है। जिन्ना से जो करे प्यार वह पाकिस्तान से कैसे करे इनकार। जिन्ना का रट लगाते हुए चुनाव में अखिलेश उतरे थे और आज एक पायदान ऊपर पाकिस्तान तक पहुंच गए।

पात्रा ने कहा, ''मीडिया कहती है कि जब चुनाव आता है,तब बीजेपी पाकिस्तान को लाती है, हम नहीं लगाते हैं, आज सुबह देखिए स्थापना दिवस पर योगी जी का क्या संदेश है। और आज अखिलेश यादव की सुर्खियां हैं, कि पाकिस्तान भारत का दुश्मन नहीं है। पाकिस्तान को लेकर कौन आया, अखिलेश आए, जिन्ना को लेकर कौन आया, अखिलेश लेकर आए। तुष्टिकरण के पराकाष्ठा के कारण जिस तरह अखिलेश जिन्ना और पाकिस्तान की बात कर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने सपा के उम्मीदवारों की सूची पर सवाल उठाकर कहा कि शुक्र है कि याकूब मेनन को फांसी दे दी गई है, नहीं अखिलेश जी उन्हें भी देशभक्त बताकर दंगा नाहिद हसन की तरह ही अपना प्रत्याशी बना देते। शुक्र है कि कसाब को फांसी हो चुकी है। कसाब को भी स्टार प्रचारक बनाकर उतार देते। अखिलेश यादव ने आतंकवादियों को कोर्ट से छुड़वाने की अपील की थी। बीजेपी अखिलेश यादव को चुनौती देती है कि यदि आपमें हिम्मत है तो आप अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करिए। कौन कहां से लड़ रहा है, इसकी सूची जारी करिए।

नवजोत सिंह सिद्धू को मंत्री बनाने के लिए इमरान खान ने की थी रिक्वेस्ट : अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए सोमवार को कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू को मंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान से रिक्वेस्ट आई थी। उन्होंने कहा कि ये रिक्वेस्ट किसी और ने नहीं बल्कि खुद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने की थी। सोमवार को पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ सीटों के बटवारे के समय अमरिंदर ने सिद्धू पर हमला बोला। पंजाब लोक कांग्रेस अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह ने कहा, ठपाकिस्तान के पीएम ने एक अनुरोध भेजा था कि यदि आप (कांग्रेस पंजाब अध्यक्ष नवजोत सिंह) सिद्धू को अपने मंत्रिमंडल में ले लेते हैं तो मैं आभारी रहूंगा, वह मेरे पुराने मित्र हैं। अगर वह काम नहीं करेंगे तो आप उन्हें हटा सकते हैं।ठ पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ लंबे समय तक सत्ता संघर्ष के बाद कांग्रेस छोड़ने वाले अमरिंदर ने कहा, ठमुझे एक व्यक्ति का मैसेज मिला था जिसे मैं और वो (सिद्धू) जानते हैं। उसने कहा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने रिक्वेस्ट की है कि अगर आप सिद्धू को अपनी सरकार में ले सकते हो तो ले लो और अगर काम नहीं करेगा तो निकाल देना। वो मेरा पुराना मित्र है।' ये मैसेज था। भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों ने 20 फरवरी को होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया है। भगवा पार्टी 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। तीसरे गठबंधन सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) को 15 सीटें आवंटित की गई हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने एक संवाददाता सम्मेलन में सीट बंटवारे के समझौते की घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मकसद पंजाब को पटरी पर लाना है। बता दें कि अमरिंदर ने रविवार को 22 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की थी। पूर्व सीएम पटियाला शहरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

ढाई महीने यूपी में रहेगा जिन्ना का भूत :राकेश टिकैत

अलीगढ़ (ईएमएस)। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले हिन्दू-मुस्लिम और जिन्ना का जिक्र किया है। उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगले ढाई महीने तक हिन्दू मुस्लिम और जिन्ना का भूत उत्तर प्रदेश में रहेगा। जनता को इनके प्रवचनों में नहीं आना है। अलीगढ़ के इगलास क्षेत्र में एक विवाह समारोह में शामिल होने आए राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किया जिन्ना के जिन्न को याद किया। उन्होंने कहा हिंदू-मुस्लिम और जिन्ना का जो भूत है वो अभी ढाई महीने उत्तर प्रदेश में रहेगा। वो ढाई महीने के कांट्रेक्ट पर यहां पर आया है। 15 मार्च तक यह भूत यहीं प्रवचन देगा, उनसे जनता को बचना है। यहां जाति और धर्म के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। जब तक देश जाति, धर्म और हिंदू-मुस्लिम में बंटता रहेगा, देश विकास नहीं कर सकता। बता दें, अलीगढ़ के कस्बा इगलास में स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में रविवार को भारतीय किसान यूनियन के टिकैत गुट के एक पदाधिकारी के बेटे की शादी समारोह का आयोजन था, जहां पर राकेश टिकैत शिरकत करने पहुंचे थे। यहां राकेश टिकैत ने यूपी में होने वाले चुनावों पर काफी बात की। उन्होंने कहा 13 महीने की ट्रेनिंग दिल्ली में होने के बाद अगर चुनाव में किसानों को बताना पड़ेगा कि क्या करना है, तो इसका मतलब किसानों की ट्रेनिंग कच्ची रही है। आधे रेट में फसल बेचकर, आलू को आधे रेट में बेचकर अब भी उन्हें यह बात बतानी पड़ेगी कि चुनाव में क्या करना है।

पीएम मोदी के खिलाफ मैदान में उतरने को तैयार ममता, लेकिन विपक्ष देगा साथ

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दमदार जीत के बाद ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में पूरा दमखम लगा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस की ओर से ममता बनर्जी को अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टक्कर की नेता के तौर पर पेश कर उन्हें 2024 के चुनाव में एक विकल्प के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है।इसके लिए ममता भी फिलहाल विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही हैं। इसके साथ ही वह विभिन्न प्रदेशों में पार्टी का विस्तार भी कर रही हैं। हाल में ही मूड ऑफ नेशन सर्वे आया था। सर्वे के मुताबिक देश के 17 फ़ीसदी लोगों का मानना है कि भाजपा के खिलाफ गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए ममता सबसे अच्छा विकल्प हैं। 16 फीसदी लोग अरविंद केजरीवाल के भी पक्ष में हैं। सिर्फ 11 फ़ीसदी लोगों का ही मानना है कि राहुल गांधी विपक्ष का नेतृत्व कर सकते हैं।

सबसे बड़ा सवाल है, कि क्या भाजपा के खिलाफ विपक्ष को ममता बनर्जी एकजुट कर सकती हैं या फिर वह अपने दम पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टक्कर देंगी? ममता बनर्जी भी सीधे अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ही सवाल करती हैं। ममता बनर्जी ने विपक्षी एकजुटता के लिए हाल में ही दिल्ली में कई बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। इसके अलावा वह देश के वरिष्ठतम नेताओं में से एक शरद पवार को भी साधने की कोशिश कर रही हैं। पिछले महीने उन्होंने मुंबई दौरे के दौरान शरद पवार के साथ-साथ शिवसेना के नेताओं से भी मुलाकात की थी। हालांकि ममता ने मुंबई में ही यूपीए के अस्तित्व पर सवाल उठाकर कांग्रेस के बगैर ही एक नए गठबंधन की ओर भी इशारा कर दिया था।

बंगाल चुनाव में भाजपा को हराने के बाद ममता बनर्जी का ग्राफ राष्ट्रीय स्तर पर काफी तेजी से बढ़ा है। लेकिन ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि क्या वह सभी को एक साथ कर सकती हैं? इतना ही नहीं, ममता के लिए कांग्रेस को भी साथ लाना बेहद जरूरी है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या ममता राहुल के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगी या कांग्रेस ममता के नेतृत्व को स्वीकार करेगी? इतना ही नहीं, पश्चिम बंगाल में ममता की धुर विरोधी पार्टी सीपीआई क्या उनका समर्थन करेगी?यह जानना जरूरी है, कि ममता की राजनीति बंगाल में सीपीआई के विरोध पर ही शुरू हुई थी। लेकिन यह असंभव नहीं है। 1989 में वीपी सिंह भी विपक्ष को एकजुट करने में कामयाब हुए थे। उनके गठबंधन में लेफ्ट से लेकर भाजपा तक शामिल थी।

ममता बनर्जी प्रखंड नेता हैं।लेकिन यह बात भी सच है कि तृणमूल कांग्रेस का बंगाल के अलावा किसी अन्य राज्य में संगठन नहीं है। पार्टी की ओर से त्रिपुरा में संगठन मजबूत किया जा रहा है, लेकिन वहां लोकसभा के सिर्फ दो ही सीटें हैं। गोवा विधानसभा चुनाव में भी तृणमूल कांग्रेस पूरा दमखम लगा रही हैं, लेकिन पार्टी को वहां कुछ खास विशेष लाभ होता दिखाई नहीं दे रहा है। कांग्रेस के खिलाफ जिस तरीके से ममता बनर्जी हमलावर है उससे साफ यह लग रहा है कि वह कांग्रेस के बगैर ही राष्ट्रीय राजनीति में आगे बढ़ना चाहती हैं। ममता बनर्जी के रिश्ते लालू यादव, अखिलेश यादव, शरद पवार और अरविंद केजरीवाल से अच्छे हैं।इसके बाद यह दल ममता बनर्जी को समर्थन दे सकते हैं। लेकिन क्या उनके नेतृत्व को स्वीकार करेंगे यह बड़ी बात है।

कार्टून कोना

मोदी सरकार ने दिए संकेत, 15 फरवरी तक कोविड के मामलों में कमी आएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 3,33,533 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 3,92,37,264 हो गई है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इसकी जानकारी दी। देश में कोरोना का कहर जारी है और मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन इस दौरान सरकार की तरफ से अच्छा संकेत आया है। इसमें कहा गया है कि भारत में 15 फरवरी तक कोविड के मामलों में कमी आएगी। कुछ राज्यों में पहले से ही हालात सुधरते हुए दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने कहा,देश में 15 फरवरी तक कोविड के मामलों में कमी आएगी। कुछ राज्यों और मेट्रो शहरों में मामले कम होने लगे हैं और स्थिर होने लगे हैं।

सूत्रों ने कहा कि टीकाकरण ने तीसरी लहर के प्रभाव को कम कर दिया है। उन्होंने कहा, ठस्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय कर रहा है। 74प्रतिशत वयस्क आबादी पूरी तरह से टीका है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सोमवार सुबह आठ बजे तक देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 21,87,205 हो गई है, जबकि पिछले 24 घंटे के दौरान 525 संक्रमितों की मौत होने से भारत में महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 4,89,409 तक पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर जनलोकपाल बिल को जानबूझ कर लागू न करने का लगया आरोप

पिछले सात सालों से केजरीवाल सरकार ने जन लोकपाल बिल को पारित करने के बावजूद उसे लागू नहीं किया :आदेश गुप्ता

केजरीवाल ने झूठ बोल कर सिर्फ गुमराह करने का काम किया है :मनोज तिवारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल पर जनलोकपाल बिल पर झूठ बोलने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल जिस जनलोकपाल बिल का हवाला देकर दिल्ली की कुर्सी पर बैठे थे लेकिन आज उसी जनलोकपाल को लेकर केजरीवाल सरकार का झूठ पूरे देश के सामने आया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री मनोज तिवारी की उपस्थिति में हुए एक संवाददाता सम्मेलन में श्री गुप्ता ने कहा कि एक आरटीआई के द्वारा इस बात का खुलासा हुआ है कि पिछले सात सालों से केजरीवाल सरकार ने जन लोकपाल बिल को पारित करने के बावजूद उसे लागू नहीं किया।

श्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कहा कि 4 दिसम्बर 2015 को हमने जनलोकपाल बिल विधानसभा में पारित कर उसे माननीय उपराज्यपाल के पास भेज दिया गया था। फिर 29 दिसम्बर को जब भाजपा ने एक संवाददाता सम्मेलन कर इस बात का जवाब मांगा कि जनलोकपाल बिल का क्या हुआ तो आम आदमी पार्टी की तरफ से जवाब आया कि हमने उसे माननीय उपराज्यपाल के यहां भेज दिया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में एक और आरटीआई के तहत इस बात का खुलासा साफ शब्दों में किया गया है कि माननीय उपराज्यपाल द्वारा 25 सितंबर 2019 को जनलोकपाल बिल की फ़ाइल रिसीव की गई थी और इसे 27 सितंबर 2019 को कानून विभाग को लौटा दिया गया था। यानी सिर्फ 2 दिनों में ही फ़ाइल वापस भेज दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि अरविंद केजरीवाल वायदों, भाषणों एवं आरटीआई में भी झूठ बोलते हैं। पिछले चार सालों से वह फ़ाइल कहाँ थी? इस बात का जवाब देना चाहिए। प्रेसवार्ता में प्रदेश प्रवक्ता श्री हरीश खुराना एवं श्रीमती सारिका जैन उपस्थित थे।

श्री गुप्ता ने कहा कि माननीय उपराज्यपाल द्वारा जब जनलोकपाल बिल की फ़ाइल 27 सितंबर 2019 को लौटा दी गई तो अब सरकार को बताना चाहिए कि आखिर अभी तक वह लागू क्यों नहीं किया गया। केजरीवाल को बताना चाहिए कि अभी तक आप उसपर कौन सा विचार कर रहे हैं जो दिल्ली में जनलोकपाल बिल लागू नहीं कर रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि भ्रष्टाचार खत्म करने की बात करने वाले आज खुद इतने भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं जिसका हिसाब रख पाना मुश्किल है। दरअसल जनलोकपाल बिल लागू न करने के पीछे केजरीवाल को डर है कि कही उनके 22 विधायक जो भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और उनपर केस है, उसका भंडाफोड़ न हो जाये।

जन हितैषी

कर्ज बांटकर चीन 58 देशों पर काबिज

चीन ने पिछले वर्षों में दुनियाभर के 58 देशों को कर्ज के मकड़जाल में फंसाकर वहां की सत्ता और अर्थ-व्यवस्था पर कब्जा कर लिया है। अमेरिका के विलियम एंड मेरी विश्व विद्यालय ने अर्न्तराष्ट्रीय विकास संगठन एंड डेटा की रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार चीन द्वारा विभिन्न देशों में जो कर्ज बांटा गया है। उसमें 385 अरब डालर का कर्ज छुपा हुआ कर्ज हैं। संभवतः कर्ज की रकम को रिश्वत के तौर पर राजनेताओं और अधिकारियों को बांटी गई है। यह रकम भी कर्ज लेने वाले देशों की सरकारी कम्पनियों, बैंकों, सरकारी उपक्रम एवं निजी संस्थानों के खाते में डाली गई।

चीन ने रिश्वत देकर 58 देशों में कर्ज बांटकर उन पर कब्जा करने के लिए कानूनी तरीका अपनाया। कर्ज देते समय अनुबंध के समय सस्ती ब्याज दर पर कर्ज दिया गया। तत्पश्चात अनुबंध की हिडन शर्तों को मनमाने तरीके से लागू करके ब्याज दरें एकतरफा बढ़ा दी गई।

चायनीज डेट ट्रेच डिप्लोमेसी (चेक बुक अथवा ऋणजाल) कूटनीति के जाल में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलेंड जैसे एशियाई देश हैं। वहीं अफ्रीकी एवं यूरेशियाई के 58 देश चीन की इस डिप्लोमेसी में फंसकर दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए है। हाल ही में श्रीलंका की संसद में प्रमुख अर्थ-शास्त्री हर्षा डीसिल्वा ने कहा श्रीलंका जल्द दिवालिया हो जाएगा। श्रीलंका का आयात रूक जाएगा। आईटी सिस्टम और गूगल मैप जैसी सुविधायें बंद हो जाएंगी क्योंकि श्रीलंका के पास आयात एवं आईटी, इन्टरनेट सुविधाओं को जारी रखने के लिए पैसे ही नहीं होंगे।

चीन की डकैती

चीन कर्ज देते समय अनुबंध में कई तरह की हिडन शर्तें रखता हैं। पहले मामूली ब्याज दर पर कर्ज की पेशकश करता है। प्रारंभिक कर्ज देने के अनुबंध होने के बाद ब्याज दर को कई गुना बढ़ा देता है। तरह-तरह के शुल्क लगाये जाते हैं। ऋण का भुगतान नहीं होने पर प्रोजेक्ट की हिस्सेदारी जबरिया खरीद लेता है। चीन सरकार अपनी हिस्सेदारी को चीनी कम्पनियों को सौंप देता है। यह चीनी कम्पनियां चीनी नागरिकों को उन देशों में भेजती है। चीनी बस्तियों का निर्माण और सुरक्षा के नाम पर चीन के सैनिक उन देशों में भेजे जा रहे हैं। कर्ज के मकड़जाल में फंसाकर चीन ने बिना लड़े सस्ते में लगभग 58 देशों की सत्ता और अर्थ-व्यवस्था में अपना प्रभाव बना लिया है।

विदेशी खातों के जरिये गोलमाल

चीन की सरकार राजनेताओं और ब्यूरोक्रेट के माध्यम से रिश्वत देकर कर्ज लेने के लिए प्रमुख पदों में बैठे लोगों द्वारा तैयार किया जाता है। कर्ज देने वाली चीनी एजेंसियां विचित्र शर्त रखती हैं। इसमें कर्ज लेने वाले देश को विदेश में एक आफसोर एकाउन्ट खोलना होता है। इस खाते में न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्य शर्त होती है। ऋण देने वाली चीन की वित्तीय कम्पनी पर सीधी पहुंच होती है। इन खातों में माध्यम से रिश्वत बांटने, छुपे हुए शुल्क खातों में डालकर कर्ज लेने वाले देशों पर दबाव बनाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 58 देशों की सैकड़ों कम्पनियों एवं शासकीय उपक्रमों पर चीन सरकार का अप्रत्यक्ष कब्जा हो गया है। दुनिया के 58 देश चीनी कर्ज के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे है। 400 वर्ष पहिले ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इसी तरह भारत में प्रवेश किया था। 1651 में बंगाल के नवाब ने ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए द्वार खोला था। 1651 से 1947 तक का अंग्रेजों की गुलामी का जो इतिहास है। वहीं मकड़जाल अब चीन की सरकार और चीनी कम्पनियों द्वारा 58 देशों में कब्जा कर लिया है। सैकड़ों देशों में भी भ्रष्टाचार एवं रिश्वत के बल पर चीन ने सारी दुनिया में अपना प्रभुत्व बढ़ा लिया है। यह काफी चिंतनीय है।

विपासना: जीते जी मोक्ष की साधना

दक्षिण वियतनाम के विश्व प्रसिद्ध संत थिक नात हान का कल निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। उन्होंने दुनिया के कई देशों के लाखों लोगों को 'मानसिक सतर्कता' की ध्यान-पद्धति सिखाई, जैसी कि भारत के महान गुरुवर सत्यनारायण गोयंका ने विपश्यना की शुद्ध बौद्ध ध्यान पद्धति को संसार के कई देशों में फैलाया। ये दोनों गुरुजन शतायु होने के आस-पास पहुंचते हुए भी बराबर सक्रिय रहे। आचार्य हान प्लम नामक वियतनामी गांव में और आचार्य गोयंका मुंबई में! दोनों ही आचार्य बौद्ध थे। हान तो 16 वर्ष की आयु में बौद्ध भिक्षु बन गए लेकिन गोयंकाजी 31 वर्ष की आयु में अचानक बौद्ध बने। वे बचपन से आर्यसमाज और महर्षि दयानंद के भक्त रहे लेकिन उनके सिर में इतना भयंकर दर्द लगातार होता रहा कि वे दुनिया के कई अस्पतालों में इलाज के लिए मारे-मारे फिरते रहे। उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ। वे बर्मा के धनाढय व्यापारी परिवार के सदस्य थे। एक दिन वे अचानक रंगून के यू बा खिन नामक बौद्ध भिक्षु के शिविर में चले गए। पहले दिन ही विपासना (विपश्यना) करने से उनका सिरदर्द गायब होने लगा। वे अपने व्यापार आदि छोड़कर भारत आ गए और उन्होंने विपासना-साधना सारे भारत और विदेशों में फैला दी। इसी प्रकार भिक्षु हान को महायान झेन पद्धति का संत माना जाता है, वे अमेरिका में पढ़े और उन्होंने वहीं कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाया भी। वे कई भाषाओं के जानकर थे और उन्होंने वियतनाम में रहते हुए कई जन-आंदोलन भी चलाए। वियतनाम में अमेरिकी वर्चस्व और ईसाइयत के प्रचार का विरोध करने के कारण 1966 में उन्हें देश निकाला दे दिया गया। 39 साल के बाद स्वदेश लौटने पर अपनी मानसिक सतर्कता की ध्यान पद्धति और अहिंसा के प्रचार के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया। आचार्य हान से भेंट करने का सौभाग्य मुझे नहीं मिला लेकिन गोयंकाजी के बड़े भाई बालकिशनजी मेरे घर आए और उन्होंने कहा कि 'सतनारायण गुरुजी' आपसे मिलना चाहते हैं। सत्यनारायणजी अपने साथ मुझे काठमांडो ले गए और दस दिन तक उन्होंने वहां विपासना-साधना करवाई। वह अनुभव अनुपम रहा। मैं ध्यान की दर्जनों अन्य विधियों से पहले से परिचित था लेकिन विपासना ने मेरे स्वभाव में ही जमीन-आसमान का अंतर कर दिया। योग दर्शन में चित्तवृत्ति निरोध को ही योग कहा गया है लेकिन विपासना ऐसी सरल ध्यान पद्धति है, जो चित्त को निर्मल और विकारशून्य बना देती है। इसमें सिर्फ आपको इतना ही करना होता है कि अपनी नाक से आने और जानेवाली सांस को आप देखने भर का अभ्यास करें। इस ध्यान पद्धति के आड़े न कोई मजहब, न जात, न राष्ट्र, न भाषा, न ॐल्टङ्ग– कुछ नहीं आता। आजकल यूरोप, अमेरिका और आग्नेय एशिया के देशों में इसकी लोकप्रियता बढ़ती चली जा रही है। यह जीते जी याने सदेह मोक्ष की अनुभूति का सबसे सरल तरीका है। मानव मन की शांति में वियतनामी भिक्षु हान और भारतीय आचार्य गोयंका की इन पद्धतियों का योगदान दुनिया के किसी बादशाह, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से कहीं ज्यादा है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.52 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	09.25 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.55 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.35 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	14.33 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.47 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	19.03 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	21.15 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	23.26 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.40 ब.से
3.00 से 4.30		धनु	03.56 बजे से
बजे तक		मकर	06.01 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 25 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 07.49 बजे तदनन्तर अष्टमी 06.26 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 10.55 बजे को समाप्त। **योग** धृति 09.12 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.49 बजे, बालव 19.11 बजे तदनन्तर कौलव 06.26 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871139 **जूलियन दिन** 2459604.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मानवीयता के अभाव में मूल्य खोता गणतंत्र

भारत का 73वाँ गणतंत्र उत्सव मनाने के साथ आज फिर हमें अधिकार और कर्तव्य की पुनर्व्याख्या की आवश्यकता है। इससे पहले हम बीते 2021 की वैश्विक घटनाओं का चिन्तन करें तो भारत की राजधानी दिल्ली से भी बहुत छोटा देश बारबाडोस ब्रिटेन के औपनिवेशक शासन के प्रभाव से मुक्त होकर दुनिया का नूतनतम गणतंत्र बन गया। मानसिक गुलामी की बेड़ियों को तोड़ते बारबाडोसवासियों ने स्वयं का राष्ट्राध्यक्ष चुनने का बिगुल बजा दिया। दूसरी घटना वैश्विक स्तर पर 14 वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनियों के करीब 1.19 करोड़ लीक दस्तावेजों पर आधारित पेंडोरा पेपर लीक मामले की है, जिसमें एक दर्जन से अधिक देशों और सरकार के प्रमुखों ने टैक्स हैवंस में लाखों रुपये छिपाए, इस जांच रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 300 से ज्यादा भारतीयों के नाम भी शामिल हैं।

दो परस्पर विरोधी विचार से उत्पन्न घटना। एक घटना में उन्मुक्त जीवन जीने की उत्कण्ठा, तो दूसरे में पहली अवस्था की प्राप्ति पश्चात उन पर आश्रितों के विरुद्ध शोषणवादी प्रवृत्ति। यह घटनायें मानवीय सभ्यता से इतर मूल्यों की पुनर्स्थापना का संकेत देती है, जो संस्कृतियों का उद्भव है लेकिन संस्कृति का पोषण त्याग से ही संभव है। तथाकथित सभ्यता की इस अंधी दौड़ में संसाधनों के शोषण से उत्पन्न विपदायें इस तथ्य को पुष्ट करती हैं कि विलासितापूर्ण जीवनशैली का यह चरम बिन्दु है इसके पश्चात प्रलय निश्चित है अतएव मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र के अस्तित्व को बचाये रखने के लिए न्यूनतम साधनों को जीवनशैली का अंग बनाना होगा।

जब बात दासता से मुक्ति की हो, तब हमें नैतिक और मानवीय मूल्यों का विहंगावलोकन करना होगा। खूनी क्रांति से अगर यह आजादी मिली होती तो इसराइल की तरह शायद हमारे मूल्य भी रक्त में हिलोरें ले रहा होता। लेकिन हमारे अंतस में रक्त से अंकुरित क्रान्ति के बीज फूटने से पहले महात्मा गाँधी, विनोबा भावे जैसे संतों के कण्ठ-कूप सूत्र ने उदासीन कर मानवीयता को रक्तरंजिश होने से बचा लिया। लेकिन, इसके बदले परिष्कृत स्वजीवन की धरोहर को अगली पीढ़ी तक स्थानांतरित करने में हम असफल रहे। शायद इसलिए यह धारणा पुष्ट होती रही कि... मुझे ईमान से क्या है लेना, इससे मुफ्लिस(निर्धन) की कबा(वस्त्र) तक भी नहीं सिल सकती, ये जवां जिस्म ये भरपूर निगाहें ये सरूर, फिक्रे-इंसान (मानवीय विचार) बजुज इनके(इसके सिवा) नहीं खुल सकती को जीवन का अहम हिस्सा मानते हुए हमने अपनी पूरी भौतिकवादी सत्ता बाजार को सौंप दिया। यहीं से हिंसा का अध्याय शुरू हुआ, जो दादरी से लेकर अमृतसर, कपूरथला व हरिद्वार जैसी घटनायें हमारे कुंद होते विचार और मृत होती संवेदना का संकेत देती हैं। इन घटनाओं ने साबित कर दिया कि शारीरिक गुलामी उस मानसिक गुलामी से कम घातक होती है जो व्यक्ति की विचार क्षमता और स्थिति विश्लेषण क्षमता का चरम होती है। ऐसी स्थिति में जिस राजनीतिकरण की घातक प्रवृत्ति को हम प्रश्रय दे रहे हैं वह एक स्वस्थ्य लोकतंत्र का पर्याय नही हो सकता।

इस प्रकार की वैश्विक घटनाओं में लोकतंत्र के महत्व को लेकर विशद् व्याख्यायें होने लगी हैं। विश्व के विभिन्न देशों में लोकतंत्र लड़खड़ाता नजर आ रहा है। तानाशाहों का प्रभाव बढ़ रहा है। कुछ देशों में तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है।

यदि भूमंडलीकरण के इस दौर में आयातित संस्कृति, वस्तुओं की आत्ममुग्धता को त्याग दें तो भी मानवीयता के कर्तव्य से मुक्त नहीं हो सकते। ईश्वर ने मानव की संरचना शायद इसलिए की होगी कि उसमें अंतर्निहित आत्मा एक बार अवश्य ही व्यक्ति को गुण-दोष का आभास करायेगी। इसी विचार से धर्म को राजसत्ता से अलग करने की मुहिम के साथ ही जनतांत्रिक मूल्यों की अवधारणा पुष्ट हुई और इन्हीं मूल्यों के आधार पर संविधान की रचना हुई। वह संविधान जो व्यक्ति को केंद्र में रख कर उसकी स्वतंत्रता को तय करने का लक्ष्य रखता है। लोकतंत्र का अर्थ होता है-सबको साथ लेकर चलने वाला तंत्र। जब कोई दल जनता को जाति धर्म के नाम पर गुमराह कर मत विभाजन करता है। जब किसी एक दल को चुनाव में बहुमत मिलता है फिर भी दूसरा दल सरकार बना लेता है। जब कोई उम्मीदवार किसी दल के नाम पर जीत हासिल कर अपने निजी स्वार्थ से दूसरे दल मे शामिल हो जाता है। जब चुनी सरकार के नेताओं को पैसे देकर सरकार को गिराया जाता है। तब यह कहना उचित है कि लोकतंत्र खतरे में है।

वी- डेम इंस्टीटयूट की '2020 की लोकतंत्र रिपोर्ट में बताया गया है कि लोकतंत्र की सेहत को परखने के लिए अभिव्यक्ति, मीडिया और सिविल सोसाइटी की स्वतंत्रता, चुनावों की गुणवत्ता, मीडिया में अलग-अलग विचारों की जगह और शिक्षा में स्वतंत्रता जैसे मुख्य सूचकांक शामिल किये गये हैं। वी-डेम की रिपोर्ट के मुताबिक़ जी-20 के सभी प्रमुख देश और दुनिया के सभी क्षेत्र अब 'निरंकुशता की तीसरी लहर' से गुज़र रहे हैं, जिसकी लपेट में भारत, ब्राज़ील, अमरीका और तुर्की जैसी अर्थव्यवस्थाएँ आ चुकी हैं। प्रतिवेदन में पाया गया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तख़्ता पलटने या सैन्य हुकूमत बनाने और आपातकाल लागू करने की ज़रूरत नहीं पड़ती। तानाशाह संविधान, क़ानून और लोकतंत्र के सभी प्रावधानों का इस्तेमाल करके ही सत्ता पर आते हैं और देर तक टिके रहने के लिए क़ानून का दुरुपयोग करते हैं। स्टाफ़न लिंडबर्ग ने तुर्की की मिसाल देते हुए बताया कि किस प्रकार राष्ट्रपति अर्दोआन ने संसद का दुरूपयोग करके दो बार संविधान बदल दिया।

भारत के संदर्भ में संस्था के लिंडबर्ग ने कहा कि मीडिया को सेंसर करने की कोशिश, पत्रकारों की गिरफ़्तारी, मीडिया की ओर से सेल्फ़ सेंसरशिप की बढ़ती घटनाएँ, सिविल सोसाइटी कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ राजद्रोह से लेकर मानहानि तक बढ़ती मुक़दमेबाज़ी और मोदी सरकार में विपक्ष की अप्रभावी भूमिका के कारण भारत अपना लोकतांत्रिक महत्व खोने की क़गार पर है।

ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन के निरंजन साहू रिपोर्ट से सहमति जताते हुए कहते हैं, ठएक ज़माना था, जब न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी भारत की स्वतंत्र संस्थाओं के सरकार और शक्तिशाली नेताओं के दबाव में ना आने के लिए विश्व भर में भारत की प्रशंसा हुआ करती थी। अब इन संस्थानों को सरकारी सोच के अनुरूप लाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। आज एक्टिविस्ट और विपक्षी नेताओं को महीनों तक बिना ज़मानत के हिरासत में रखा जाता है, न्यायपालिका अपना मुँह मोड़ लेती है। इस तरह जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तंत्र ग़ायब हो गए हैंठ आज ठधार्मिक और राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जो ज़्यादातर सोशल मीडिया की ओर से संचालित होता है, जिसका सत्ताधारी दल राजनीतिक दुरूपयोग करते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वतंत्रता के संदर्भ में इसके बड़े नकारात्मक प्रभाव होते हैं। अल्पसंख्यकों और विरोधी दलों के नेताओं को कमज़ोर, खलनायक या राष्ट्रविरोधी के रूप में दिखाया जा रहा हैठ

डेटा पर आधारित वी-डेम की रिपोर्ट काफ़ी हद तक लोकतंत्र में निरंतर गिरावट, ख़ासकर भारत में उदारवाद के लगातार कम होने के संकेत की पुष्टि करती है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और विरोधी आवाज़ों को दबाने जैसे मामले में सरकार की असहनशीलता को प्रकट करती है।ठ

'ऑटोक्रेटाइज़ेशन सर्जेज़-रेजिस्टेंस ग्रोज़ठ नाम से जारी की गई वी-डेम इंस्टीटयूट की ये ताज़ा रिपोर्ट अकेली नहीं है। पिछले कुछ सालों में इस तरह की रिपोर्टें कई संस्थाओं ने जारी की हैं। अमरीका स्थित चर्चित संस्था 'ीडम हाउस' ने 2019 की घटनाओं पर आधारित जारी अपनी रिपोर्ट 'लोकतंत्र और बहुलवाद पर हमला' में कहा कि वैश्विक स्वतंत्रता में लगातार 14वें साल गिरावट आई है। भारत पर टिप्पणी करते हुए इस रिपोर्ट में कहा गया है, ठप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तहत लोकतांत्रिक मानदंडों से होती दूरी चीन और भारत के बीच मूल्यों पर आधारित अंतर को मिटा सकती है। भारत को ी रेटिंग मिली है और इसने पिछले वर्ष सफल चुनाव कराए हैं, लेकिन भाजपा ने देश की बहुलता और व्यक्तिगत अधिकारों के लिए अपनी प्रतिबद्धता से ख़ुद को दूर कर लिया है, जिसके बिना लोकतंत्र लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकताठ

वहीं जर्मनी के बैर्टेल्समन फाउंडेशन स्टडी के लेखकों ने पाया कि ठकभी स्थिर लोकतंत्र वाले भारत में कानून और नागरिक स्वतंत्रता का शासन ध्वस्त हुआ है। ऐसे बदलाव राजनैतिक ध्रुवीकरण की ओर इशारा करते हैं और इसके साथ ही वहां विपक्ष के अलावा जातीय या धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन भी होता है। फाउंडेशन में विकासशील और बदलावों से गुजर रहे देशों के राजनैतिक और आर्थिक प्रगति का अध्ययन किया गया है। इसमें कुल 137 देशों में से 74 को बीटीआई लोकतंत्र और 63 को ऑटोक्रेसी यानि निरंकुश शासन की श्रेणी में रखा गया है।

साल 2017 में एग्न्म्ल्ेनाम की संस्था ने 'भारतः सिविल सोसाइटी पर बढ़ते हमलों से लोकतंत्र को ख़तरा' टाइटल से जारी प्रतिवेदन में कहा था - हालाँकि, भारत की आज़ादी के बाद से सिविल सोसाइटी आवश्यक भूमिका निभा रही है, लेकिन इसकी जगह तेज़ी से ख़त्म होती जा रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के इतर हाल ही में लोकतंत्र शिखर सम्मेलन में दुनिया के नक्शे पर भारत की भागीदारी अहम रही थी। सफल लोकतंत्र की बात आते ही भारत सहचर शब्द के रूप में उभरता है। अनापेक्षित अंतराल पश्चात प्रधानमंत्री की घोषणा के साथ स्थगित हुए किसान आंदोलन को हमने सफलतम लोकतंत्र के रूप में देखा।

प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए सूर्यप्रकाश की इस संदर्भ में जारी रिपोर्ट उपरोक्त विवेचनाओं और तर्कों का खण्डन करती है। रजिस्ट्रार ऑफ़ न्यूज़पेपर्स का हवाला देते हुए वे बताते हैं कि 2014 में दैनिक अख़बारों का सर्कुलेशन 14 करोड़ था, जो 2018 में बढ़कर 24 करोड़ हो गया। देश में 800 टीवी चैनल हैं, जिनमें 200 न्यूज़ चैनल हैं। लोगों के घरों में टीवी देखने वाले 14 करोड़ थे, जो 2018 में बढ़कर 20 करोड़ हो गए। इंटरनेट कनेक्शन पाँच सालों में 15 करोड़ से 57 करोड़ हो गया है। अगर तानाशाही होती, तो मीडिया इस तरह कैसे विस्तार पा सकता है?ठ अपने तर्क को आगे बढ़ाते हुए सूर्य प्रकाश रिपोर्ट तैयार करने वालों से पूछते हैं, ठये लोग शाम को टीवी चैनलों पर हमारे शाउटिंग ब्रिगेड को क्या नहीं देखते ? जहाँ से दोनों तरफ़ से हो रही तीखी बहस का प्रसारण करते हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था के बिना ऐसा संभव नहीं हो सकता। सोशल मीडिया पर एक दिन मैंने देखा कि मोदी सबसे ख़राब प्रधानमंत्री का हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं होती अथवा एक स्वस्थ लोकतंत्र न होता, तो क्या ये हैशटैग सोशल मीडिया पर चल सकता ?ठ पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के ट्वीट्स पर हुई गिरफ्तारियों पर उनका सवाल है कि इसमें मोदी सरकार को दोष देना अनुचित है क्योंकि, क़ानून व्यवस्था राज्य सरकार के हाथ में है। सूर्य प्रकाश स्वीकारते हैं कि - कोरोना महामारी के दौर में कुछ देशों के लोकतंत्र में दोष उभरकर सामने आया। भारत के कुछ राज्यों में भी थोड़ी अनुचित गिरफ्तारियाँ हुई हैं, लेकिन उनका विश्वास है कि लोकतंत्र की जड़ें मज़बूत हैं और सत्ता में कोई भी पार्टी आए, लोकतंत्र की बुनियादे नहीं हिल सकतीं। वे कहते हैं, ठमुझे नहीं लगता कि हम आगे चल कर अपना लोकतंत्र और संविधान खो देंगे, क्योंकि इस संविधान के मूल्य से हम सब जुड़े हैंठ वैसे भी मजबूत लोकतंत्र के यशगान इसी प्रकार विश्व में गूँजते रहेंगे, लेकिन -

तरबखाने के नग्मे(मनोरंजक गीत)
गमकदों को(शोकाकुल) को भा नहीं सकते,
हम अपने जाम में अपना लहू छलका
नहीं सकते।
चमन वाले खिजाँ के नाम से घबरा
नहीं सकते,
कुछ ऐसे फूल भी खिलते हैं जो मुर्झा
नहीं सकते। (लेखक- राकेश कुमार वर्मा / ईएमएस)

आज का इतिहास 25 जनवरी

1565 तेल्लीकोटा की लड़ाई में विजय नगर का साम्राज्य नष्ट हुआ.
1579 डच गणराज्य की स्थापना हुई.
1831 पोलैंड की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा की.
1824 बंगला भाषा के कवि माइकल मधुसूदन दत्त का जन्म.
1874 ब्रिटिश साहित्यकार समरसेट माम का जन्म.
1882 वर्जीनिया वुल्फा का जन्म हुआ.
1952 सार के प्रशासन को लेकर फ्रांस और जर्मनी के बीच विवाद हुआ.
1954 मानवेन्द्र नाथ राय का निधन.
1959 ब्रिटेन ने पूर्वी जर्मनी से व्यापार समझौता किया.
1971 हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य बना.
1975 शेख मुजीबुर्रमान बांगलादेश के राष्ट्रपति बने.
1980 मदर टेरेसा को भारत रत्न से सम्मानित किया गया.
1983 आचार्य भावे को भारतरत्न से सम्मानित करने की घोषणा.
1991 यूगोस्लाविया में तनाव दूर करने के लिए सर्बिया और क्रोएशिया के नेताओं की बैठक हुई.
1992 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने अमरीकी शहरों को लक्ष्य कर तैनात परमाणु प्रक्षेपास्त्रों को हटाने की घोषणा की.
2001 भाजपा की वरिष्ठ नेता राजमाता विजयराजे सिंधिया का निधन.
2002 दो अमेरिकी सांसदों सहित 98 को पद्म सम्मान दिए जाने की घोषणा.
2005 महाराष्ट्र के सतारा स्थित एक देवी के मंदिर में भगदड़ मचने से 300 से अधिक मरे.

काश नेता जी भी ज्योति बुझाने वालों को माफ कर पायें... ?

गोल पोस्ट बदलने में माहिर देश की ताजा राजनीति ने फिर से नेताजी सुभाष की प्रतिमा के और अमर जवान ज्योति को बुझाकर अन्य ज्योति में विलय करने जैसे मुद्दों को सामने लाकर नई बहस खड़ा करने की कोशिश की है।जिससे आगामी चुनाव में सामयिक मुद्दों पर चर्चा टाली जा सके।

सभी जानते हैं कि किंग जार्ज की मूर्ति जब 1968 में इंडिया गेट से हटाई गई थी तो माना गया था कि साम्राज्यवाद के प्रतीकों का यहां पर रहना उचित नहीं है। किंग जार्ज की मूर्ति यहां से हटाकर कोरोनेशन पार्क में लगा दी गई थी। तब यहां पर लगाने के लिए महात्मा गांधी की मूर्ति बनवाई गई थी। जो आज भी भारत सरकार के आर्काइव्स में रखी है।जब इस मूर्ति को लगाने का विषय उठा तो बृहद विमर्श के बाद यह तय हुआ कि चूंकि वह छतरी कॉलोनियल आर्किटेक्चर का प्रतीक है इसलिए वहां गांधी जी की मूर्ति लगाना ठीक नहीं होगा।

1996 में नरसिम्हा राव सरकार में पुनः इस छतरी के उपयोग पर विचार हुआ और ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की एक समिति बनाई गई। देश के कई वास्तुविदों से प्रस्ताव मांगे गए और अंततः फिर यह तय हुआ कि इस कॉलोनियल आर्किटेक्चर के नीचे किसी राष्ट्रभक्त की मूर्ति लगाना उचित नहीं होगा जिसने ब्रिटिश कॉलोनियलिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी हो। तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल मलिक से भी विमर्श हुआ और उन्होंने भी वार मेमोरियल इस स्थान पर ना बनाने की राय दी और यह प्रस्ताव फिर से ठंडे बस्ते में चला गया।

एक बार पुनःअटल जी की सरकार में भी यह फाइल खुली और अंततः इसी निष्कर्ष के साथ ठंडे बस्ते में डाल दी गई। हर बार जो तर्क सामने आया वह यही कि कॉलोनियल रिजीम के प्रतीकों के साथ आजादी का संघर्ष करने वाले महानायकों का मेल नहीं कराया जा सकता।किंतु अब मोदी सरकार ने फैसला किया है कि इस छतरी के नीचे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की सैल्यूट लगाते हुए प्रतिमा लगाई जाए। बार-बार कॉलोनियल आर्किटेक्चर के नाम पर महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित करने का फैसला रद्द किया गया जबकि उनकी मूर्ति तैयार हो चुकी थी। अब उसी छतरी के नीचे राष्ट्रभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाई जा रही है जिसमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस की सेल्यूट की मुद्रा है क्या यह उचित होगा? नेताजी ने तो इस साम्राज्य के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई लड़ी थी।

इस छतरी के सामने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गये सैनिकों का स्मारक है जिसमें भारतीय सैनिकों के लड़ाई में शामिल होने का नेताजी ने विरोध किया था।वह मेमोरियल भी कोलोनियल आर्किटेक्चर है। क्या नेताजी की भव्य प्रतिमा उनके गौरवपूर्ण योगदान को प्रतिष्ठित करने के लिये अन्यत्र नहीं स्थापित की जानी चाहिये,जहां बड़ा स्थान हो और जहां साम्राज्यवादी सरकार की छाया न हो।

वर्तमान सरकार सेन्ट्रल विस्टा बनाने के लिये तो इसे कोलोनियल आर्किटेक्चर और साम्राज्यवाद का प्रतीक मानती है किंतु राष्ट्रभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उसी साम्राज्यवादी छतरी के नीचे खड़ा करने में उन्हें गुरेज नहीं है।एक ही स्थान और दो दर्शन।

बंगलादेश की आजादी का युद्ध दुनिया के सबसे चमत्कारी शौर्य का प्रतीक है जब हमने 13 दिन के छोटे से युद्ध में न केवल पाकिस्तान के दो टुकड़े कर करोड़ों बंगालियों को नरसंहार से बाहर निकाला बल्कि दुनिया के युद्ध इतिहास का सबसे बडा आत्मसमर्पण करवाया।जिसमें दुश्मन की 93 हजार सेना ने अपने जनरल (नियाजी) सहित हथियार डाले।इस महान युद्ध की याद में अमर जवान ज्योति की स्थापना 1972 में की गई थी। अमर ज्योति का अर्थ ही है कि ज्योति और शहादत दोंनों अमर हैं।बांगला देश की आजादी के 50साल अभी दिसंबर में ही पूरे हुये हैं और इस महान जीत की याद में स्थापित यह अमर जवान ज्योति अपनी स्थापना के 50 साल पूरे करने के चंद हफ्ते पहले ही बुझा दी या स्थानांतरित कर दी गई है।जैसे उसकी अमरता ही समाप्त कर दी गई हो।ऐसे मेमोरियल अगर विलय या स्थानांतरित किये जा सकते होते तो कई शहरों में शौर्य स्मारक न बनाये जाते ।क्या भारत के इस ऐतिहासिक युद्ध की स्मृतियों पर ऐसा कुठाराघात शहीदों को विस्मरण करना नहीं होगा?इस पर कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने ट्वीट किये हैं,जिन्हें यह फैसला आहत करने वाला लगा ,क्या देश इस पर विमर्ष करेगा?

जब यह सब घटनाक्रम घट रहा है तब एक तीसरा फैसला भी सरकार की मंशा पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है। 'बीटिंग द रिट्रीट ' कार्यक्रम में आर्मी बैंड राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पसंदीदा गीत की धुन बजाता रहा है,जिसे 2020 में धुनों की सूची से हटाने की कोशिश हुई थी किंतु जबरदस्त आलोचना के कारण 2021में फिर शामिल कर बजाई गई जिसे फिर 2022की सूची से हटा दिया गया है।

गांधी का चश्मा उतारकर उनकी प्रत्यक्ष या परोक्ष स्मृतियों को धूमिल करने के ये प्रयास बताते हैं कि गोडसे का मंदिर बनाने की लालसायें राजनीति पोषित हैं।गांधी और भारत के गौरव पूर्ण इतिहास पर क्या सिर्फ इसलिये पर्दा डाला जा सकता है कि उस इतिहास में एक पार्टी की कोई भागीदारी नहीं है।जिस क्षण गांधी का पसंदीदा गीत 'एबाईड विद मी' बीटिंग द रिट्रीट से हटाया जा रहा है उसी समय सिंगापुर की सरकार गांधी मेमोरियल हाल का लोकार्पण कर रही है।क्योंकि गांधी अब वैश्विक व्यक्तित्व है,उसे हीन भावनायें न मिटा सकतीं हैं न छोटा कर सकतीं हैं।

(लेखक-भूपेन्द्र गुप्ता) (लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 7177

बाएँ से दाएँ

1.अचंभा,आश्चर्य-4
3.अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6.पिता के छोटे भाई,काका-2
7.माह,मास-3
9.धावक(अंग्रेजी-3)
11.नया जीवन,उद्धार होना-5
12.लक्ष्मी,धन की देवी-3
15.बुरी आदत-2
16.पैर,पाँव-2
18.देवमुनि,देवर्षि-3
20.शिकायत करना-5
22.रनिवास-3
24.बेकार,आंवारा-3
26.छोटा टुकड़ा-2
27.अभिनय,कथा मंचन-3
28.सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1.सहसा,अकस्मात-4
2.एक प्रकार की शराब-2
3.प्रतिभाशाली-3
5.मननशील-5
6.चतुर्थ-2
8.नाव खेना-2,3
10.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13.पैर मारना-5
14.मन की इच्छा-5
17.प्रकार-3
19.टूटना,बिखरना-4
21.पराजित होना, हारना-3
23.चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25.पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -7176 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

चाहर में ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं : द्रविड़

केपटाउन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने युवा खिलाड़ी दीपक चाहर की जमकर प्रशंसा की है। द्रविड के अनुसार चाहर ने अवसर मिलने पर अपने को साबित किया है। उनमें एक बेहतर ऑलराउंडर नजर आता है। टीम उनकी इस क्षमता का पूरा उपयोगी करेगी। चाहर को अंतिम एकदिवसीय में अवसर मिला था। यहां उन्होंने पहले नई गेंद से विकेट लिया और फिर कठिन हालातों में अर्धशतक लगाया। द्रविड़ ने चाहर की बल्लेबाजी तकनीक की तारीफ की है। साथ ही कहा कि मैं उन्हें इंडिया ए के जमाने से जानता हूं। मुझे पता है कि गेंदबाजी के साथ-साथ वह अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। द्रविड़ ने कहा, 'उनके और शार्दुल ठाकुर जैसे लोगों का होना अच्छा है, तो जाहिर है इस तरह के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी जो निचले स्तर पर योगदान दे सकते हैं, निश्चित रूप से एक बड़ा अंतर बनाते हैं और हमें अधिक विकल्प देते हैं।ऑलराउंडर हार्दिक पंडया को अहमदाबाद के कप्तान बनाए गए हो, लेकिन वह पूरी तरह मैच फिट ही नहीं हैं। पीठ के दर्द के चलते वह गेंदबाजी नहीं करते। इसके अलावा उनका बल्ला भी नहीं चल रहा। ऐसे में भारत उनका विकल्प तलाश रहा है। शार्दुल ठाकुर के बाद वेंकटेश अय्यर पर भी भारत की नजरें हैं, ऐसे में दीपक चाहर का एकबार फिर खुद को साबित करना, भारत के लिए अच्छा संकेत है।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। इंग्लैंड ने यहां हुए एक रोमांचक मुकाबले में मेजबान टीम वेस्टइंडीज को एक रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी है। वहीं पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था।

दूसरे टी20 में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 8 विकेट पर 171 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय ने 31 गेंद में 45 रन बनाये। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन ही बना पायी और इंग्लैंड ने एक रन से मुकाबला अपने नाम किया। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इस मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये। उसने एक समय सात विकेट 78 रन के स्कोर पर खो दिये। इसके बाद वेस्टइंडीज के दसवें नंबर के बल्लेबाज अकील हुसैन ने साकिब महमूद पर अंतिम गेंद में लगातार तीन छक्के लगाये। अकील 44 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं रोमारियो शेफर्ड ने 44 रन बनाये। दोनों ने 29 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 30 रन बनाने थे और अकील ने तीन छक्के लगाकर मुकाबला रोमांचक बना दिया पर वह अंतिम क्षणों में एक रन नहीं ले पाये जिससे टीम हार गयी।

आजम को साल 2021 के लिए एकदिवसीय प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को साल 2021 के लिए एकदिवसीय प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया है। आजम ने साल 2021 में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह मैचों में 67.50 की औसत से 405 रन बनाए थे। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में भी 228 रनों का अहम योगदान दिया था। पहले एकदिवसीय में उन्होंने शतक लगाया और आखिरी एकदिवसीय में 82 गेंद में 94 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था पर तब भी आजम अकेले मैदान पर जमे रहे। उन्होंने तीन मैचों में 177 रन बनाए हालांकि उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। अंतिम एकदिवसीय में उन्होंने इमामुल हक के साथ 92 रन की साझेदारी की। उन्होंने पहले 50 रन 72 गेंद में और अगले 50 रन 32 गेंद में पूरे किए जो इस साल उनका दूसरा शतक था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के मराइस इरास्मस को तीसरी बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंपायर का अवार्ड मिला।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे मेदवेदेव और कोलिंस

मेलबर्न (ईएमएस)। रुस के दानिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने मैक्सिम क्रेसी को 6-2, 7-6, 6-7, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। मेदवेदेव का मुकाबला अब नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा। फेलिक्स ने एक अन्य मुकाबले में 2014 मारिन सिलिच को 2-6, 7-6, 6-2, 7-6 से हराया हैं। वहीं चौथे दौर में पुरूष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास का सामना टेलर फ्रिट्स से होगा। दूसरी ओर महिला वर्ग में अमरीका की डेनियेले कोलिंस ने एक सेट हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए 19वीं वरीयता प्राप्त एलिसे मर्टेंस को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने यह मैच 4-6, 6-4, 6-4 से जीता। कोलिंस ने इससे पहले तीसरे दौर में क्लारा टाउसन के खिलाफ भी एक सेट हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। अब अगले दौर में उनका सामना दो बार की विजेता सिमोना हालेप या फ्रांस की अनुभवी एलिजे कोर्नेत से होगा।

डिकॉक ने तीसरे एकदिवीय मैच में शतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

केपटाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्वींटन डी कॉक ने भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। डी कॉक ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग का भी एक रिकार्ड तोड़ा है। डी कॉक ने तीसरे एकदिवसीय में 130 गेंदों पर 12 चौके और दो छक्के लगाकर 124 रन बनाए थे। यह डी कॉक के करियर का 17वां शतक और भारत के खिलाफ अब तक सीरीज में छठा शतक है। इससे पहले सचिन के नाम दोनो देशों के बीच सीरीज में पांच शतक लगाने का रिकार्ड था। डिकॉक ने विरोधी टीम के खिलाफ सबसे तेजी से छह शतक पूरे किये हैं। उन्होंने इस मामले में सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सहवाग ने 23 पारियों में न्यूजीलैंड के सबसे तेज छह शतक बनाए थे जबकि डिकॉक ने भारत के खिलाफ 16 पारियों में ही छह शतक बनाये हैं।

डिकॉक का साथ ही भारत के खिलाफ एकदिवसीय में अबतक का यह छठा शतक था और उन्होंने इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। पोंटिंग और संगकारा ने भी एकदिवसीय में भारत के खिलाफ छह-छह शतक लगाए थे। गौरतलब है कि श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम भारत के खिलाफ एकदिवसीय में सर्वाधिक शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। जयसूर्या ने भारत के खिलाफ 85 पारियों में 7 शतक लगाये हैं। डिकॉक ने अपने एकदिवसीय करियर का 17वां शतक लगाने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिनके नाम एकदिवसीय में बतौर विकेटकीपर दूसरा सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड था। इस मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा अभी भी शीर्ष पर हैं, जिनके नाम बतौर विकेटकीपर 23 शतक है। इस मामले में हालांकि संगकारा शीर्ष पर हैं।

राहुल पहले तीन एकदिवसीय हारने वाले पहले भारतीय कप्तान बने

केपटाउन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल किसी सीरीज में पहले तीन एकदिवसीय हारने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गये हैं। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे में तीनों एकदिवसीय मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

पड़ा है। सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने के कारण राहुल को इस सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया था पर वह नाकाम साबित हुए। इस सीरीज में कप्तान के रुप में राहुल की नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल खड़े हो गये हैं। राहुल बल्लेबाजी में भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। भारतीय टीम इस सीरीज में बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने टिक नहीं पायी। अंतिम एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक से 287 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 288 रन का लक्ष्य दिया है। इसके जवाब में भारतीय टीम 283 रन ही बना पायी। राहुल ने इस सीरीज से पहले दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम की कप्तान की थी पर उसमें भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

दो साल और कप्तानी कर सकते थे विराट : शास्त्री

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि विराट कोहली अभी दो साल और भारतीय टीम की कप्तानी कर सकते थे। विराट ने हाल ही में भारतीय टीम की टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। शास्त्री ने कहा, 'मेरे हिसाब से विराट आसानी से अगले दो साल तक कप्तानी कर सकते थे पर अब जबकि उन्होंने पद छोड़ दिया है, तो हम सभी को उनके फैसले का सम्मान करना चाहिए।' शास्त्री ने साथ ही कहा कि अब रोहित शर्मा को टेस्ट कप्तान बनाया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित को पहले ही टेस्ट टीम का उपकप्तान बनाया था। ऐसे में उन्हें कप्तान बनाने में कोई समस्या नहीं है। वैसे भी रोहित हर प्रकार से सक्षम और योग्य उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बात टीम इंडिया का भविष्य शानदार है। सात साल में मैंने जो देखा है, जो नई प्रतिभाएं आ रही है, वो विशेष हैं। वहीं कप्तानी की बात करें तो रोहित को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। इसका मतलब है कि उन्हें कप्तान बनाए जाने के बारे में सोचा जाना चाहिए।' शास्त्री ने साथ ही कहा कि उसी को टीम का उप-कप्तान बनाया जाना चाहिये जिसकी जगह पक्की हो क्योंकि उस खिलाड़ी को उपकप्तान बनाने से लाभ नहीं है जिसे अंतिम ग्यारह में ही जगह नहीं मिल पाये। विराट की कप्तानी में भारतीय टीम के आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने के सवाल पर शास्त्री ने कहा कि केवल कपिल देव और महेन्द्र सिंह धोनी ही कप्तान के तौर पर एकदिवसीय विश्वकप जीत सके है। इसका मतलब यह तो नहीं कि किसी ओर कप्तान के बारे में बात ही नहीं हो।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अधिग्रहण के लिए कोष तैयार कर रहे अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। वेदांता रिसोर्से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अधिग्रहण के लिए 10 अरब डॉलर का कोष तैयार कर रही है। कंपनी के कोष में सॉवरेन संपदा कोषों ने काफी रुचि दिखाई है। कंपनी के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि मोदी सरकार जब भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) या शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के लिए मूल्य बोली मांगेगी उस समय यह कोष शुरू होगा। धातु और खनन क्षेत्र के दिग्गज बिजनेसमैन अग्रवाल ने बीपीसीएल और एससीआई में सरकार की 12 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की हिस्सेदारी के अधिग्रहण में रुचि दिखाई है। अग्रवाल ने कहा, हम 10 अरब डॉलर का कोष बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह कोष वेदांता के खुद के संसाधनों और बाहरी निवेश से बनेगा। इस कोष को लेकर हमें विशेषरूप से सॉवरेन संपदा कोषों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है।''

अग्रवाल ने कहा कि इसके पीछे विचार 10 साल की अवधि वाला कोष बनाने का है। इसमें निजी इक्विटी प्रकार की रणनीति का इस्तेमाल होगा। यह कोष कंपनियों में निवेश कर उनका मुनाफा बढ़ाएगा। उसके बाद कंपनी से निकल जाएगा। अग्रवाल ने इससे पहले कहा था कि वेदांता लंदन की कंपनी सेंट्रिकस के साथ मिलकर 10 अरब डॉलर का कोष बनाएगी जो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेश करेगा। सेंट्रिकस करीब 28 अरब डॉलर की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। अग्रवाल ने कहा, वे सभी चाहते हैं, चेयरमैन मैं रहूं।''

वेदांता ने बीपीसीएल के लिए जांच-परख का काम पूरा कर लिया है। वहीं सरकार ने इसी महीने एससीआई के लिए मूल्य बोली को टाल दिया है। सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि वह बीपीसीएल और एससीआई के लिए मूल्य बोलियां कब तक मांगेगी। अग्रवाल ने कहा, ''सरकार जैसे ही विनिवेश कार्यक्रम शुरू करेगी, हम यह कोष लाएंगे। कोई भी पैसा डालना या शुल्क और अन्य लागत नहीं चाहता। सभी कुछ तैयार है और जैसे ही सरकार की बोलियां शुरू होंगी, हम इसपर आगे बढ़ने वाले है। पैसा कोई समस्या नहीं है। अग्रवाल को एक छोटे से धातु कबाड़ कारोबार को लंदन मुख्यालय वाली वेदांता रिसोर्सेज में बदलने का श्रेय जाता है। उन्होंने कई बार सरकारी कंपनियों में निवेश किया है और मुनाफा कमाया है। अग्रवाल ने 2001 में भारत एल्युमीनियम कंपनी (बाल्को) का अधिग्रहण किया था। उसके बाद 2002-03 में घाटे में चल रही हिंदुस्तान जिंक का अधिग्रहण किया था। वेदांता ने 2007 में मित्सुई एंड कंपनी से सेसा गोवा में 51 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदी थी। 2018 में वेदांता ने टाटा स्टील जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लि.(ईएसएल) का अधिग्रहण करने में सफलता हासिल की थी।

सेबी ने पीएफएस को बोर्ड बैठक से पहले कॉरपोरेट प्रशासन से जुड़े मुद्दे हल करने को कहा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज (पीएफएस) से कहा है कि वह बोर्ड मीटिंग बुलाने से पहले कॉरपोरेट प्रशासन से जुड़े मुद्दों का समाधान करे, जिन्हें इसके पूर्व अध्यक्ष और निवर्तमान स्वतंत्र निदेशकों ने उठाया है। कंपनी ने बताया कि पूंजी बाजार नियामक ने पीएफएस को इन मुद्दों पर चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। इसके पहले बिजली समाधान मुहैया कराने वाली फर्म पीटीसी इंडिया की सहायक इकाई पीएफएस के बोर्ड की निर्धारित बैठक सभी स्वतंत्र निदेशकों की गैरमौजूदगी के चलते नहीं हुई थी।इसके बाद कंपनी को अपनी बोर्ड बैठक आयोजित करने के लिए सेबी की अनुमति लेनी जरूरी है। गौरतलब है कि एक असामान्य घटनाक्रम के तहत पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज (पीएफएस) के सभी तीन स्वतंत्र निदेशकों - कमलेश शिवजी विकमसे, संतोष बी नायर और थॉमस मैथ्यू टी ने कंपनी में कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों के आधार पर बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पीटीसी इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव के मिश्रा ने शुक्रवार को कहा था कि कंपनी की सहायक इकाई पीएफएस में कथित रूप से कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों की निष्पक्ष जांच होगी।

सोने में हल्की तेजी, चांदी में कोई बदलाव नहीं

मुंबई (ईएमएस)। सोना में सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को हल्की तेजी देखी जा रही है। सोमवार को 10 ग्राम सोने के भाव में 50 रुपए की तेजी के साथ 24 कैरेट सोना 49,520 रुपए और 22 कैरेट 47,520 रुपए पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी में लगातार दसरे दिन कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। चांदी की कीमत 65,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी हुई हैं। एक्साइज डयूटी, स्टेट टैक्सेस और मेकिंग चार्ज के कारण देश भर में सोने की कीमत अलग-अलग होती है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 52,090 रुपए, मुंबई में 49,520 रुपए है। दिल्ली और मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत क्रमशः 47,790 रुपए और 47,520 रुपए है। चेन्नई में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना सोमवार को 50,040 रुपए पर बिक रहा है, जबकि 10 ग्राम 22 कैरेट सोना 45,870 रुपए पर बिक रहा है। चेन्नई में एक किलो चांदी की कीमत 69,000 रुपए है, जबकि दिल्ली और मुंबई में यह धातु 64,900 रुपए पर बिक रही है। कोलकाता में चांदी 64,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रही है, जबकि हैदराबाद और बेंगलुरु में यह 69,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।

वहीं दूसरी ओर घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन में सोने की कीमत में 131 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ 48249 रुपए प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ है। जबकि कारोबारी सप्ताह में सोने की कीमत में 469 रुपए प्रति दस ग्राम का इजाफा देखने को मिला है। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में 573 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से दाम 64806 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं। जबकि कारोबारी सप्ताह के दौरान चांदी की कीमत में 3200 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी देखने को मिली है।

कैमरून के नाइटक्लब में भीषण आग, 16 जिंदा जले, कई गंभीर

- लपटों से पैदा गर्मी के कारण नाइटक्लब में विस्फोट हो गया था

याउंदे(ईएमएस)। कैमरून की राजधानी याउंदे में एक नाइटक्लब में आग लग गई, जिसमें 16 लोगों के जिंदा जलने से मौत और कई के गंभीर होने की खबर है। बताया जा रहा है कि आग लगने के दौरान उस नाइटक्लब में सैकड़ों लोग मौजूद थे। लपटों से पैदा गर्मी के कारण नाइटक्लब में विस्फोट हो गया। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लाशों के बुरी तरह से जलने के कारण उनकी पहचान में भी दिक्कतें आ रही है।

याउंदे में यह त्रासदी ऐसे समय हुई है जब कैमरून महीनेभर चलने वाले 'अफ्रीकन फुटबॉल कप ऑफ नेशंस टूर्नामेंट' की मेजबानी कर रहा है। इसमें पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के हजारों फुटबॉल खिलाड़ी, प्रशंसक और अधिकारी भाग ले रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता रेने एम्मानुएल सादी ने कहा कि मृतकों और घायलों के नाम और राष्ट्रीयता की जानकारी के लिए अभी जांच चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि आग राजधानी के पड़ोस में स्थित बैस्तोस के नाइटक्लब में शुरू हुई और उस स्थान तक पहुंच गई जहां रसोई गैस रखी थी। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घायलों को याउंदे के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया ने एक बयान में सांत्वना प्रकट की और खिलाड़ियों को उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया।

चीन ने की ताइवान में बड़ी घुसपैठ, जे-16 समेत 39 फाइटर भेजे

-चीन कह चुका है, वह ताइवान को खुद में मिला लेगा, चाहे बल प्रयोग हो

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने एक बार फिर ताइवान में घुसपैठ की है। चीन ने यहां के डिफेंस जोन में 39 फाइटर प्लेन भेजे हैं। ये बीते कई महीनों में सबसे बड़ी घुसपैठ बताई जा रही है। ताइवान सरकार ने बताया कि सबसे ज्यादा लड़ाकू विमान रविवार को भेजे गए थे। इनकी संख्या अक्टूबर के बाद सबसे अधिक रही। दरअसल, इस देश को आशंका है कि चीन इसपर हमला कर देगा। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है, जबकि ताइवान का कहना है कि वह एक स्वंतत्र देश है। चीन कह चुका है कि वह ताइवान को खुद में शामिल कर लेगा, फिर चाहे उसे बल प्रयोग का ही सहारा क्यों ना लेना पड़ा।

बीते साल चीन ने ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीआईजेड) में कई बार घुसपैठ की थी। 4 अक्टूबर की ही बात है, जब चीन के 56 लड़ाकू विमानों ने यहां घुसपैठ कर दी थी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने चीनी लड़ाकू विमानों की सूचना मिलते ही चेतावनी के तौर पर अपने लड़ाकू विमान भी भेज दिए। साथ ही 39 चीनी लड़ाकू विमानों को ट्रैक करने के लिए मिसाइलें तैनात कर दीं। घुसपैठ के लिए भेजे गए इन लड़ाकू विमानों में 24, जे-16 शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ताइवान के हवाई रक्षा क्षेत्र का परीक्षण करने के लिए यह चीन का पसंदीदा लड़ाकू विमान है। जबकि 10, जे-10 विमान और एक परमाणु बम गिराने में सक्षम एच-6 बॉम्बर भी भेजा गया। ताइवान ने इस तरह की घुसपैठ को लेकर नियमित आंकड़े सितंबर 2020 से जारी करना शुरू किया था। अक्टूबर में रिकॉर्ड 196 घुसपैठ दर्ज की गई थीं। इनमें से 149 लड़ाकू विमान केवल चार दिन के भीतर ही भेजे गए। ये वो समय था, जब चीन अपना सालाना राष्ट्रीय दिवस मना रहा था। ये रक्षा क्षेत्र ताइवान के खुद के हवाई क्षेत्र के समान नहीं है, लेकिन इसमें एक बड़ा क्षेत्र शामिल है, जो चीन के अपने हिस्से के साथ ओवरलैप करता है। 2016 में त्साई इंग-वेन के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से बीजिंग ने ताइवान पर दबाव बढ़ा दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि वेन ताइवान को चीन का हिस्सा नहीं मानतीं। वह कहती हैं कि ताइवान एक स्वतंत्र देश है। आंकड़े बताते हैं कि बीते साल चीन के 969 लड़ाकू विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। यानी 2020 में भेजे गए 380 लड़ाकू विमानों से लगभग दोगुने विमान इस बार भेजे गए हैं।

अमेरिकी कर्मचारियों को रूसी हमले के बढ़ते खतरों के बीच देश छोड़ने का आदेश दिया

वाशिंगटन (ईएमएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन में अमेरिकी दूतावास में सभी अमेरिकी कर्मचारियों के परिवारों को रूसी हमले के बढ़ते खतरों के बीच देश छोड़ने का आदेश दिया है। विदेश विभाग ने कहा कि गैर-जरूरी दूतावास के कर्मचारी सरकारी खर्च पर यूक्रेन छोड़ सकते हैं और सभी अमेरिकियों को तुरंत प्रस्थान करने पर विचार करना चाहिए। रूसी सैन्य गतिविधि ने वाशिंगटन और अन्य पश्चिमी देशों की चिंताओं को बढ़ दिया है। आशंका है कि 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद यूक्रेन पर आक्रमण करने की योजना बना रहा है। जबकि इससे इतर मास्को ने कहा है कि उसके पास आक्रमण की कोई योजना नहीं है।

कीव में अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी देकर कहा कि, रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई किसी भी समय आ सकती है और संयुक्त राज्य सरकार ऐसी आकस्मिक स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को निकालने की स्थिति में नहीं होगी, इसकारण वर्तमान में यूक्रेन में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को तदनुसार योजना बनानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि कीव स्थित दूतावास खुला रहेगा और घोषणा का मतलब यूक्रेन से अमेरिकी अधिकारियों को निकाला जाना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम पर लंबे समय से चर्चा हो रही थी और इसका अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका यूक्रेन के प्रति समर्थन को कम कर रहा है।

यूरोप में कोरोना महामारी का हो सकता है अंतः डब्ल्युएचओ

-ओमिक्रॉन ने महामारी को नए चरण में भेजा, हो सकती है समाप्त

कोपेनहेगन(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्युएचओ) के यूरोप निदेशक हंस क्लूज ने कहा है कि कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट ने यूरोपीय देशों में महामारी को एक नए चरण में स्थानांतरित कर दिया है और यह समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, यह प्रशंसनीय है कि क्षेत्र एक तरह की महामारी के अंत की ओर बढ़ रहा है। हालांकि हंस क्लूज ने कहा कि ओमिक्रॉन मार्च तक 60 प्रतिशत यूरोपीय लोगों को संक्रमित कर सकता है। उन्होंने कहा, ठजब एक बार ओमिक्रॉन का वर्तमान उछाल पूरे यूरोप में कम हो जाएगा, तब कुछ ही हफ्तों और महीने भर के अंदर वैश्विक प्रतिरक्षा विकसित हो जाएगी। यह या तो टीके की वजह से हो सकती है या संक्रमण के कारण स्वभाविक विकसित होने वाली प्रतिरक्षा के कारण हो सकती है।ठ क्लूज ने कहा, ठहम अनुमान लगाते हैं कि कोविड -19 खत्म होने से पहले साल के अंत तक एक बार फिर वापस आ सकता है लेकिन जरूरी नहीं कि महामारी वापस आए ही। शीर्ष अमेरिकी वैज्ञानिक एंथनी फौसी ने भी इसी तरह की संभावना जाहिर की थी। उन्होंने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में कोविड -19 के मामलों में बहुत ठतेजी सेठ कमी देखी गई है जो अच्छे संकेत हैं।ठ हालांकि, अति आत्मविश्वास के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हाल ही में अमेरिका के पूर्वोत्तर जैसे क्षेत्रों में मामलों की संख्या में गिरावट जारी रही, तो ठमुझे विश्वास है कि आप पूरे देश में बदलाव देखना शुरू कर देंगे।ठ अफ्रीका में डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय कार्यालय ने भी पिछले हफ्ते कहा था कि उस क्षेत्र में कोविड के मामले घट रहे हैं और ओमिक्रॉन की वजह से आई चौथी लहर के चरम पर पहुंचने के बाद पहली बार मौत के मामलों में कमी आ रही है।

चीन के शिआन शहर से एक माह बाद हटा कोरोना लॉकडाउन

-रविवार से वाणिज्यिक उड़ानों की सेवाएं फिर से शुरू की गईं थी

बीजिंग(ईएमएस)। कोरोना के बढ़ते प्रकोप के कारण चीन के शिआन शहर में करीब एक महीने से जारी लॉकडाउन को अब हटा दिया गया है। शहर की आबादी करीब 1।3 करोड़ है। इसकी घोषणा सोमवार को की गई। एक दिन पहले रविवार से ही शहर से वाणिज्यिक उड़ानों की सेवाएं फिर से शुरू की गईं थी।

शिआन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कोविड-19 को लेकर कतई बर्दाश्त नहीं करने की रणनीति अपनाई थी। इसके तहत एक भी मामला सामने आने पर, लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध और सामूहिक स्तर पर जांच अनिवार्य होती है। शिआन, बीजिंग से लगभग एक हजार किलोमीटर (600 मील) दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जहां चार फरवरी से शीतकालीन ओलंपिक शुरू होने हैं। कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के प्रकोप के बाद शहर में प्रवेश 22 दिसंबर से निलंबित कर दिया गया था। सभी निवासियों को जांच कराने को कहा गया था।

क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ हो चुके निवेश

- क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय

मुंबई (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश हो चुके हैं। देश में कुल 4 क्रिप्टो एक्सचेंज काम कर रही हैं लेकिन ज्यादातर निवेशकों को शायद ही पता हो ?कि यदि कोई हेराफेरी होती है तो वे कानूनी तौर पर कुछ भी नहीं कर पाएंगे। साइबर कानूनों के विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कहते हैं ?कि अनरेगुलेटेड एक्सचेंज या क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय है। ऐसे में पीड़ित लोगों के पास सिर्फ दो विकल्प होंगे। दूसरा- कोर्ट में सिविल मुकदमा दायर करके एक्सचेंज या क्रिप्टो कारोबारी से हर्जाने की मांग करना लेकिन जिस मामले पर संसद अभी तक कोई कानून नहीं बना पाई है। एक वित्तीय कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि बैंक, म्यूचुअल फंड या जीरोधा जैसे स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफार्म खोलने के लिए कंपनियों को कई प्रकार के लाइसेंस, जांच और प्रतीक्षा अवधि से गुजरना पड़ता है। क्रिप्टो बाजार में इस तरह का कोई सरकारी सेफ्टी नेट नहीं है। अगर क्रिप्टो मार्केट में मैनीपुलेशन हुआ हो तो निवेशक का नुकसान तय है, क्योंकि उसके पास यह जानने का कोई कानूनी प्रावधान ही नहीं है कि उसके निवेश के साथ क्या हो रहा है। गौरतलब है ?कि रिजर्व बैंक ने क्रिप्टो कारोबार को अवैध घोषित करने के लिए 2018 में सर्कुलर जारी किया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2020 में निरस्त कर दिया। इससे क्रिप्टो पर लगा प्रतिबंध हट गया। कई निवेशक अब इससे होने वाली कमाई से टैक्स दे रहे हैं, इसलिए यह गैरकानूनी भी नहीं है लेकिन इसे वैध बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अभी तक कोई कानून नहीं बनाया है।

सरकार अगले दो वर्षों में आठ लाख नए मोबाइल टावर लगाएगी

- ग्रामीण क्षेत्रों में भी आसानी से मिल जाएगा मोबाइल नेटवर्क! 5जी आने से पहले बन रहा मेगा प्लान

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाई-स्पीड 5जी नेटवर्क शुरू होने से पहले सरकार की अगले दो वर्षों में आठ लाख नए मोबाइल टावर लगाने की योजना है। इस योजना के साथ सरकार देश भर में दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि कि चार टावर में से लगभग तीन ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से जुड़े हों ताकि उनकी डेटा-वहन क्षमता को बढ़ाया जा सके। योजनाओं पर पीएमओ के साथ चर्चा की गई है क्योंकि सरकार ने बड़े पैमाने पर जुड़े डिजिटल वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। ये कदम नए जमाने की तकनीक का समर्थन कर सकते हैं, जैसे कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑगमेंटेड व वीआर कास्ट, ऑटोनोमस ड्राइविंग और स्मार्ट होम समाधान। वर्तमान में देशभर में 6.8 लाख टावर हैं, वित्त वर्ष 2024 तक 15 लाख से ज्यादा टावर लगाए जाने हैं। सरकार चाहती है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सपोर्ट हो क्योंकि इंटरनेट विभिन्न कार्यों के लिए केंद्र बन चुका है। तेजी से फाइबराइजेशन की रणनीति बनाने के लिए हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे दूरसंचार कंपनियों की स्पेक्ट्रम होल्डिंग नियमित नीलामी के माध्यम से मजबूत होती जाती है, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में नए प्रयासों की आवश्यकता होती है।

सऊदी अरब गठबंधन और हूती विद्रोहियों के बीच जारी लड़ाई चरम पर

-हूती विद्रोहियों ने दागी मिसाइलें, जवाबी कार्रवाई में यमन का लॉन्चिंग पैड तबाह

दुबई(ईएमएस)। सऊदी अरब के गठबंधन और हूती विद्रोहियों के बीच जारी लड़ाई चरम पर पहुंचती जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों ने सोमवार तड़के एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला बोला। हालांकि दोनों ने देशों से हवा में ही मिसाइलों को मार गिराया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी गठबंधन ने यमन के अल-जॉफ में मौजूद उस लॉन्च पैड को तबाह कर दिया है, जिसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइल दागने के लिए किया जा रहा था। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने 3 जनवरी को हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले जहाज का अपहरण कर लिया था। इससे मामला और बिगड़ गया। फिर हूती ने यूएई की राजधानी आबू धाबी में हमला करके इस लड़ाई में घी डालने का काम किया और अब सऊदी अरब सेना हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक कर रही है।

17 जनवरी को किए गए इस हमले के लिए हूतियों ने ड्रोन के साथ क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। यमन युद्ध में बेशक यूएई शामिल था, लेकिन हूतियों ने उसपर पहली बार ऐसा हमला किया था। इससे पहले वो केवल सऊदी अरब को ही निशाना बना रहा था। इस हमले के बाद यूएई ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मांग करते हुए कहा था कि हूतियों को फिर से आतंकी संगठन घोषित किया जाए। सऊदी अरब, भारत और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी आबू धाबी में हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए हमले के बाद यमन पर लगातार बमबारी की जा रही है। हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाकर की जा रही इस एयर स्ट्राइक में बड़ी संख्या में आम नागरिकों की भी मौत हो रही है। हाल में सऊदी अरब की सेना ने यमन के उत्तरी सादा प्रांत एक डिटेंशन सेंटर पर 59 से अधिक हवाई हमले किए थे। इस हमले में 77 लोगों की मौत हुई, जबकि 146 लोग घायल हुए। सादा हूती विद्रोहियों का गढ़ माना जाता है। हालांकि, सऊदी अरब इससे इनकार कर रहा है। सोशल मीडिया पर आ रही खबरों के हिसाब से यमन में मरने वालों की संख्या 300 से अधिक हो गई है। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी हैं। सऊदी अरब गठबंधन 2015 से हूती विद्रोहियों से लड़ता आ रहा है। लंबे समय से चले आ रहे इस खूनी संघर्ष में शुक्रवार को अचानक नाटकीय मोड़ आ गया और दनादन हमले शुरू हो गए। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने हमलों की निंदा की है।

75 साल में पहली बार फ्लाइट से भारत आयेंगे पाक यात्री

-अभी तक यात्री, पर्यटक पैदल या समझौता एक्सप्रेस से आते थे

इस्लामाबाद(ईएमएस)। जनवरी में भारतीय तीर्थयात्रियों के हवाई मार्ग से पाकिस्तान पहुंचने के बाद, पाकिस्तानी पर्यटक भी 75 साल में पहली बार पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की स्पेशल फ्लाइट से 29 जनवरी को भारत के लिए उड़ान भरेंगे। अभी तक तीर्थयात्री या पर्यटक पैदल या समझौता एक्सप्रेस के जरिए एक-दूसरे के देशों में जाते थे। पाकिस्तान हिंदू परिषद के अध्यक्ष रमेश कुमार के अनुसार दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीआईए और एयर इंडिया के बीच हुए समझौते के अनुसार, दोनों एयरलाइंस इस संबंध में विशेष उड़ानें संचालित करेंगी। यात्रा के दौरान, यह समूह अजमेर शरीफ, जयपुर, आगरा, मिथरा, हरिद्वार में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह और दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह की यात्रा करेगा।

डॉ रमेश ने कहा कि यात्रा पर प्रत्येक तीर्थयात्री को 1,500 डॉलर (1 लाख रुपए से ज्यादा) खर्च करने होंगे। अगर आगरा और दिल्ली में रहने के दौरान वे अलग कमरा चाहते हैं तो इसके लिए उन्हें अतिरिक्त 200 डॉलर, करीब 15 हजार रुपए, का भुगतान करना होना। भारत और पाकिस्तान के बीच 1974 में हुए एक समझौते के अनुसार तीर्थयात्री दोनों देशों के धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। वक्फ संपत्ति बोर्ड और धार्मिक मामलों के मंत्रालय तीर्थयात्रियों के आने और जाने की व्यवस्था करते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अभी भी परिवहन के लिए हवाई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत की ओर समझौता एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली से अटारी तक और पाकिस्तान की ओर लाहौर से वाघा तक चलती है। वर्ष 1974 के धार्मिक स्थलों की यात्रा पर भारत-पाकिस्तान प्रोटोकॉल तंत्र के तहत, भारत से बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान में धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं। इसी तरह, पाकिस्तानी नागरिक भी भारत में धार्मिक स्थलों पर घूमने के लिए आते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ हो चुके निवेश

- क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय

मुंबई (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश हो चुके हैं। देश में कुल 4 क्रिप्टो एक्सचेंज काम कर रही हैं लेकिन ज्यादातर निवेशकों को शायद ही पता हो ?कि यदि कोई हेराफेरी होती है तो वे कानूनी तौर पर कुछ भी नहीं कर पाएंगे। साइबर कानूनों के विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कहते हैं ?कि अनरेगुलेटेड एक्सचेंज या क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय है। ऐसे में पीड़ित लोगों के पास सिर्फ दो विकल्प होंगे। दूसरा- कोर्ट में सिविल मुकदमा दायर करके एक्सचेंज या क्रिप्टो कारोबारी से हर्जाने की मांग करना लेकिन जिस मामले पर संसद अभी तक कोई कानून नहीं बना पाई है। एक वित्तीय कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि बैंक, म्यूचुअल फंड या जीरोधा जैसे स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफार्म खोलने के लिए कंपनियों को कई प्रकार के लाइसेंस, जांच और प्रतीक्षा अवधि से गुजरना पड़ता है। क्रिप्टो बाजार में इस तरह का कोई सरकारी सेफ्टी नेट नहीं है। अगर क्रिप्टो मार्केट में मैनीपुलेशन हुआ हो तो निवेशक का नुकसान तय है, क्योंकि उसके पास यह जानने का कोई कानूनी प्रावधान ही नहीं है कि उसके निवेश के साथ क्या हो रहा है। गौरतलब है ?कि रिजर्व बैंक ने क्रिप्टो कारोबार को अवैध घोषित करने के लिए 2018 में सर्कुलर जारी किया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2020 में निरस्त कर दिया। इससे क्रिप्टो पर लगा प्रतिबंध हट गया। कई निवेशक अब इससे होने वाली कमाई से टैक्स दे रहे हैं, इसलिए यह गैरकानूनी भी नहीं है लेकिन इसे वैध बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अभी तक कोई कानून नहीं बनाया है।

इलेक्ट्रिक बाइक कोमाकी देगी 200 किमी रेंज

-लांग डिस्टेंस राइड के लिए होगी फायदेमंद साबित

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कोमाकी इलेक्ट्रिक बाइक कोमाकी 200 किमी की रेंज देगी। कंपनी ने अभी तक इसके लॉन्चिंग डेट का खुलासा नहीं की है। कयास लगाया जा रहा है कि ये इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर इस हफ्ते लॉन्च हो सकती है। फीचर्स की बात करें तो, कोमाकी इलेक्ट्रिक क्रूजर रेंजर मोटरसाइकिल बजाज अवेंजर्स के अपडेटेड वर्जन की जैसा दिखने में लगता है। वहीं मकदार क्रोम के साथ रेट्रो-थीम वाला गोल एलईडी हेडलैंप दिया जा सकता है।

इसके साथ डयूल क्रोम गार्निश्ड राउंड-शेप्ड औक्सिलरी लैम्प्स और रेट्रो-थीम वाले साइड इंडिकेटर्स के साथ लॉन्च किया जा सकता है। इस क्रूजर बाइक में क्रूज कंट्रोल, रिपेयर स्विच, रिवर्स स्विच, ब्लूटूथ और एक एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। दोनों इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो, कंपनी ने अभी तक इसके बारे में अन्य जानकारी साझा नहीं की है। कंपनी ने दावा किया है कि बाइक को सिंगल चार्ज करने पर यूजर्स 180-220 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं, जो लांग डिस्टेंस राइड के लिए फायदेमंद साबित होगी। कीमत की बात करें तो, अभी तक इस पर कंपनी ने कोई ऑफिसियल जानकारी साझा नहीं की है। अनुमानित कीमत की बात करें तो, इसे 1.20 लाख से लेकर 2 लाख के बीच लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि उनका उद्देश्य ऐसे वाहनों का विकसित करना है, जो बेहतर इंजन पॉवर और न्यूनतम ईंधन खर्च की पेशकश करें। फ़िलहाल दोंनो व्हीकल मे राइडर्स के लिए कंफर्ट और नवीनीकरण पर विशेष रूप से फोकस किया गया है। बैटरी की बात करें तो, इसमें जिसमें 72वी50एएच बैटरी का उपयोग किया जा सकता है।

जर्मनी में नेताजी से जुड़ी प्रदर्शनी का उद्घाटन, दुर्लभ पत्र प्रदर्शित

-भारतीय राजदूत हरीश पी और नेताजी की बेटी अनीता ने किया उद्घाटन

बर्लिन(ईएमएस)। सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन पर जर्मनी में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी में नेताजी से जुड़ी दुर्लभ निजी पत्रों और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी भारतीय दूतावास के कंपाउंड में लगाई गई। इसका उद्घाटन भारतीय राजदूत हरीश पी और नेताजी की बेटी डॉ अनीता बोस ने किया। अभिलेखीय दस्तावेजों के अनुसार, 1939 में इंडिया गेट के निकट किंग जॉर्ज पंचम की एक भव्य संगमरमर की मूर्ति का अनावरण तत्कालीन वायसराय द्वारा ब्रिटिश सम्राट के स्मारक के रूप में किया गया था, जिनके शासनकाल में देश की नयी राजधानी 'नई दिल्ली' बनी थी। हालांकि, 1960 के दशक के अंत में इसे (किंग जॉर्ज पंचम) और किंग एडवर्ड सप्तम की प्रतिमाओं को हटा दिया गया और उत्तर पश्चिमी दिल्ली में 1911 के शाही दरबार की जगह पर फेंक दिया गया था, इसे कोरोनेशन पार्क के रूप में जाना जाता है।

भारत को आजाद कराने की लड़ाई में नेताजी ने जर्मनी के तानाशाह अडोल्फ हिटलर से भी सहयोग मांगा था। वे खुद हिटलर से मिलने के लिए जर्मनी भी गए थे। नेताजी और हिटलर की विचारधाराएं अगल-अलग थी, इसके बावजूद उन्होंने जर्मनी का सहयोग मांगा था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्र में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन एक तरफ थे, वहीं दूसरी तरफ धूरी राष्ट्रों में जर्मनी, इटली, जापान शामिल थे। यही कारण है कि नेताजी ने हिटलर से मदद मांगी थी। हिटलर भारतीयों से नफरत करता था। हिटलर ने अपनी पुस्तक मीन कैम्फ में भारतीयों की यहूदियों और अफ्रीकियों से तुलना की थी। हिटलर ने उस दौरान यह भी कहा था कि भारत किसी भी अन्य देश के नियंत्रण में होने से बेहतर है कि ब्रिटिश शासन में है। उसने 1933 में सुभाष चंद्र बोस से मिलने से इनकार कर दिया था। हालांकि 1940 में मिलने को तैयार हो गया।

कंबोडिया में नौसैनिक अड्डे को तेजी से विकसित कर रहा है चीन

-अंडमान से इस नौसैनिक अड्डे की दूरी 1200 किलोमीटर के आसपास है

नोम पेन(ईएमएस)। एशिया में प्रभुत्व मे जुटा चीन कंबोडिया में नौसैनिक अड्डे को तेजी से बना रहा है। सैटेलाइट इमेज से पता चला है कि चीनी कंपनिया रीम नौसैनिक अड्डे के समुद्री किनारों को गहरा कर रही हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कंबोडिया में इससे भू-राजनीतिक तनाव पैदा हो सकता है। कंबोडिया में इस नौसैनिक अड्डे को अमेरिका ने बनाया था। बाद में कंबोडिया ने इस अड्डे को चीन को सौंप दिया था। भारत के अंडमान से इस नौसैनिक अड्डे की दूरी 1200 किलोमीटर के आसपास है।

निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियां रीम नेवल बेस के पास के समुद्री इलाके को गहरा कर रही हैं। इससे पूर्वी एशिया में चीनी नौसेना को एक बड़ी बढ़त मिलने की आशंका है। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की एशिया मैरीटाइम ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव ने शनिवार को रीम नेवल बेस की 16 जनवरी को ली गई एक सैटेलाइट तस्वीर जारी किया था। इन तस्वीरों में रीम के तट पर दो क्लैमशेल ड्रेजर दिखाई दे रहे हैं, जिसमें समुद्र से निकाली गई रेत को इकट्ठा करने के लिए बार्ज भी नजर आ रहा है। इस साल 18 जनवरी को थाईलैंड की खाड़ी में साइट का दौरा करने वाले कंबोडियाई राष्ट्रीय रक्षा मंत्री चाय बान के फेसबुक पर अपलोड की गई एक तस्वीर में भी जहाज दिखाई दे रहे थे। चीन रीम नौसैनिक अड्डे को डेवलप करने के लिए फंडिंग कर रहा है। इसमें बंदरगाह का विस्तार और एक शिप रिपेयर फैसिलिटी का डेवलपमेंट भी शामिल है। दूसरी ओर अमेरिका ने चिंता जताई है कि चीन इस नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल सैन्य जरूरत को पूरा करने के लिए कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में कंबोडिया और चीन ने रीम नेवल बेस को लेकर समझौता किया था। इसमें चीन को अगले 30 सालों तक चीन को रीम नौसैनिक अड्डे के इस्तेमाल की अनुमति दी गई थी। पिछले साल जून में अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमेन ने रीम में दो अमेरिकी फैसिलिटी को बिना किसी पूर्व सूचना के ध्वस्त किए जाने पर कंबोडिया से स्पष्टीकरण मांगा था। उन्होंने कंबोडियन नौसैनिक अड्डे पर चीन की कथित सैन्य उपस्थिति के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की थी। कंबोडियाई रक्षा मंत्री टी बान ने इस बात पर जोर देते हुए जवाब दिया कि वे कोई तार नहीं जोड़ रहे बल्कि चीन के साथ उनके देश का रिश्ता प्राकृतिक है। जून में ही अमेरिका और कंबोडिया के बीच एक राजनयिक विवाद भी हुआ था। दरअसल, चीन की उपस्थिति और अमेरिकी निर्माण को गिराए जाने की खबर के बाद यूएस डिफेंस अताशे कर्नल मार्कस एम फेरारा कंबोडियाई अधिकारियों के साथ रीम नेवल बेस तक गए थे लेकिन उन्हें अंदर तक पूर्ण पहुंच नहीं दी गई जिससे उन्हें अपना दौरा छोटा करना पड़ा। वे पूरा बेस देखना चाहते थे, लेकिन कंबोडियाई अधिकारियों ने उन्हें मना कर दिया। कंबोडिया पर कब्जा करने की नीयत से चीन साल 2017 से भारी निवेश कर रहा है। वर्तमान समय में चीन ने कंबोडिया में लगभग 10 अरब डॉलर का निवेश किया है। इतनी बड़ी राशि को चुकाने में कंबोडिया जैसा गरीब देश नाकाम हो गया है। इसी के कारण उसने चीन की बात मानते हुए रीम नेवल बेस को गिरवी रख दिया है। वहीं, चीन पहले की ही तरह इस बात से इनकार कर रहा है कि उसने कर्ज के जाल में फंसाकर कंबोडिया से यह पोर्ट हासिल किया है।

गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों की संख्या घटी, मरने वालों की संख्या बढ़ी

- 24 घंटों में 13805 नए केस, 13469 लोग हुए डिस्चार्ज, 25 मरीजों को निगल गया कोरोना

अहमदाबाद (ईएमएस)गुजरात में पिछले सप्ताह के मुकाबले इस सप्ताह कोरोना के दैनिक केसों की संख्या में बड़ी गिरावट आई हैंपिछले सप्ताह कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या 24 हजार को पार कर गई थी, जिसके बाद से इसमें गिरावट आई हैंसोमवार को राज्यभर में कोरोना के 13805 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 13469 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गयाराज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 86.49 प्रतिशत हैंपिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना से 25 मरीजों की मौत हो गईसोमवार को राज्यभर में 1.70 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गयास्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 4361 मामले में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैंवडोदरा कॉर्पोरेशन में 2534, सूरत कॉर्पोरेशन में 1136, राजकोट कॉर्पोरेशन में 889, वडोदरा में 721, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 325, भावनगर कॉर्पोरेशन में 295, कच्छ में 282, मोरबी में 267, राजकोट में 260, पाटन में 242, सूरत में 238, मेहसाणा में 231, भरुच में 190, नवसारी में 160, बनासकांठा में 156, आणंद में 150, गांधीनगर में 148, वलसाड में 141, जामनगर कॉर्पोरेशन में 140, सुरेन्द्रनगर में 113, अमरेली में 109, खेडा में 89, अहमदाबाद में 80, पंचमहल में 76, नर्मदा में 57, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 54, पोरबंदर में 52, साबरकांठा में 45, गिर सोमनाथ में 43, जामनगर में 43, दाहोद में 39, जूनागढ़ में 31, भावनगर में 27, तापी में 19, छोटाउदेपुर में 17, महीसागर में 17, अरवल्ली में 14, देवभूमि द्वारका में 7, बोटाद में 6 और डांग में 1 समेत राज्यभर में कुल 13805 नए केस दर्ज हुएवहीं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 6, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, जामनगर कॉर्पोरेशन में 3, राजकोट कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, कच्छ में 1, सूरत में 1, मेहसाणा में 1, वलसाड में 1, पंचमहल में 1 और भावनगर में 1 समेत राज्यभर में 25 मरीजों की मौत के साथ राज्यभर में कोरोना अब तक 10274 लोगों को कोरोना निगल चुका हैंवहीं पिछले 24 घंटों में 13469 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गयाअब तक राज्य में 9030938 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैंराज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 135148 पर पहुंच गई हैंजिसमें 134864 स्टेबल हैं और 284 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंसोमवार को राज्यभर में 170290 लोगों का वैक्सीनेशन किया गयाजिसमें 11 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 344 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया45 वर्ष से अधिक आयु के 4809 को कोरोना का पहला और 18789 लोगों को दूसरा टीका लगाया गयाँ 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 22239 को पहली और 48791 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गईं 15 से 18 वर्षीय आयु के 24972 किशोरों को कोविड का पहला डोज दिया गयाइसके अलावा 50335 लोगों को प्रिकॉशन डोज दिया गयाँ राज्य में अब तक 9 करोड़ 65 लाख 15 हजार 617 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल गणतंत्र दिवस पर गिर सोमनाथ में देंगे तिरंगे को सलामी

अहमदाबाद (ईएमएस)इस वर्ष गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन गिर सोमनाथ में आयोजन किया गया हैं26 जनवरी 2022 को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ध्वजारोहण करेंगेंगुजरात विधानसभा की अध्यक्षा नीमाबेन आचार्य मोरबी में तिरंगे को सलामी देंगेंराज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिलों में ध्वजारोहण करेंगेंराज्य के कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी आणंद में, जीतु वाघाणी राजकोट में, ऋषिकेश पटेल अहमदाबाद में, पूर्णेश मोदी बनासकांठा में, राघवजी पटेल पोरबंदर, कनुभाई देसाई सूरत, किरीटसिंह राणा भावनगर में, नरेश पटेल वलसाड में, प्रदीप परमार वडोदरा में और पंचमहल में अर्जुनसिंह चौहाण ध्वजारोहण करेंगेंराज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी गांधीनगर में, जगदीश पंचाल मेहसाणा में, ब्रिजेश मेरजा जामनगर में, जीतु चौधरी नवसारी में, मनीषा वकील खेडा में, मुकेश पटे तापी में, निमिषा सुथार छोटाउदेपुर, अरविंद रैयाणी जूनागढ़ में, डॉ. कुबेर डिंडोर साबरकांठा में गजेन्द्रसिंह परमार भरुच में, आरसी मकवाणा अमरेली में, विनोद मोरडिया बोटाद में और देवा मालम सुरेन्द्रनगर में होनेवाले गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगेंइसके अलावा राज्य के दाहोद, नर्मदा, महीसागर, डांग, पाटण, देवभूमि द्वारका और अरवल्ली में संबंधित जिलों के कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगेंं

राज्य की विकास यात्रा में शहरी विकास का अहम योगदानः मुख्यमंत्री

- राजकोट में 42.38 करोड़ के खर्च से निर्मित लक्ष्मी नगर अंडर ब्रिज का भूपेन्द्र पटेल ने किया ई-लोकार्पण

- सीडीएस बिपिन रावत के नाम पर किया ब्रिज का नामकरण

गांधीनगर (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को राजकोट में 42.38 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज का नामकरण शहीद सीडीएस बिपिन रावत के नाम पर कर उसका ई-लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट महानगर पालिका ने कोरोना की वैश्विक महामारी के दौर में राज्य सरकार के मार्गदर्शन के अंतर्गत विकास के कार्यों को समय पर पूरा किया है। राजकोट महानगर को आधुनिक रूप देने और जनकल्याण के लिए वर्तमान में जारी अनेक परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की विकास यात्रा में शहरी विकास का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आगे कहा कि शहरों में एक ही तरह के कार्य करने के बजाय राज्य सरकार ने समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए शहरी विकास की नई व्याख्या तय कर लोगों के सर्वांगीण कल्याण के कार्य प्रारंभ किए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रतिवेदन और उसके निराकरण को लेकर तीव्र एवं परिणामोन्मुखी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने निरंतर देखरेख के साथ एक कार्य व्यवस्था लागू की है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जारी है। हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' भी मना रहे हैं, तब गुजरात में शहरी विकास के साथ 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प हमें सिद्ध करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नवीकरणीय ऊर्जा की परियोजनाओं तथा हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के साथ पर्यावरण सुरक्षा में भी गुजरात ने भागीदारी दर्ज कर नई उपलब्धि हासिल की है। महानगरों के दूषित जल के निस्तारण तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं शहरीजनों को शुद्ध पानी मुहैया कराने के अलावा शहरों को यातायात समस्या से मुक्त करने के लिए अनेक विकास कार्य शुरू किए गए हैं। राजकोट के लिए आवश्यकतानुसार टीपी एवं डीपी स्कीम को मंजूरी देकर महानगर के योजनाबद्ध विकास की मंशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में राजकोट में 187 करोड़ रुपए के 170 कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' सूत्र के साथ राज्य के नगरों और महानगरों को शहरी विकास के साथ गतिशील रखने का संकल्प जताया।

परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी ने कहा कि राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ नागरिक सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए बुनियादी ढांचा विकास के कार्यों को करने को कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राजकोट में विकास के अनेक कार्य मंजूर किए गए हैं। पहले भी राजकोट में विकास के अनेक कार्यों को पूरा किया गया है और अब सरकार की योजना और अधिक विकास कार्य करने की है। शहरी विकास की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि राजकोट मनपा द्वारा निर्मित लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज के चलते अब इस क्षेत्र में शहरीजनों को यातायात समस्या से निजात मिलेगी।

राजकोट महानगर पालिका के महापौर डॉ. प्रदीप डव ने कहा कि राजकोट में लोगों को यातायात जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अंडर एवं ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं। लक्ष्मी नगर रेलवे ब्रिज का निर्माण यातायात को ध्यान में रखते हुए जरूरत के अनुसार किया गया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज के लोकार्पण से लगभग 5 से 6 लाख लोगों को रोजाना होने वाली ट्रैफिक की समस्या से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान मनपा द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवा के संबंध में भी जानकारी दी। विधायक गोविंदभाई पटेल ने कहा राज्य सरकार द्वारा लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। राजकोट मनपा और राज्य सरकार ने शहर को फाटक मुक्त बनाने का आयोजन किया है।

राजकोट मनपा आयुक्त अमित अरोरा ने लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज की तकनीकी जानकारी एवं ढांचागत व्यवस्था और लोगों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। राजकोट मनपा ने रेल विभाग के निक्षेप निर्माण कार्य के रूप में चार लेन रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण किया है। यह ब्रिज 7.50 मीटर चौड़ा तथा 4.50 मीटर ऊंचा होने के कारण स्कूल बस और औद्योगिक क्षेत्र के वाहनों की आवाजाही में सुगमता रहेगी। इसके अलावा, राहगीरों एवं साइकिल सवारों के लिए अलग से पाथ-वे बनाया गया है और पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

गुजरात में छह फरवरी तक कोरोना के केस का आंकड़ा बढ़ेगा

अहमदाबाद, २४ जनवरी।

कोरोना की तीसरी लहर का गुजरात सहित देशभर में आतंक देखने को मिल रहा है। अब आगामी दो सप्ताह में तीसरी लहर की पीक आने की संभावना है। ढ्ढढ्ढञ्ज मद्रास ने अध्ययन में दावा किया है कि छह फरवरी तक सबसे ज्यादा केस दर्ज हो सकते हैं। जबकि किसी द्वारा संक्रमण फैलने का दर यानी कि ई वेल्यु में भी कमी हो सकती है।

ओमीक्रॉन वेरिएंट देश में कॉम्युनिटी ट्रांसमिशनन के स्टेज में पहुंच गया है। जिसकी वजह से देश में कोरोना की तीसरी लहर के बीच पीक १४ दिन में देखने को मिल सकता है। ढ्ढढ्ढञ्ज मद्रास ने बताया है कि कोरोना के केस में ६ फरवरी तक यानी कि २ सप्ताह में पीक पर पहुंच जाएगा। तीसरी लहर का मुख्य कारण कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट को माना जाता है।

अध्ययन के अनुसार भारत में कोरोना संक्रमण फैलने का दर बताने वाला आर वेल्यू १४ जनवरी से २१ जनवरी के बीच २.२ से घटकर १.५७ हो गई है। ऐसे में तीसरी लहर की आगामी १५ दिन में पीक देखने को मिल सकता है। एनालिसिस के आधार पर यह दावा किया गया है। लेकिन यह एक सिर्फ अनुमान है। जिसमें कुछ बदलाव हो सकता है। कोरोना के फैलने का दर आर वेल्यु पेश करता है। आर वेल्यु यह बताता है कि कोरोना से संक्रमित एक व्यक्ति कितने लोगों को संक्रमित करता है। यदि आर वेल्यु १ से ज्यादा है तो इसका अर्थ है कि केस बढ़ रहे है और यदि १ से नीचे देखने मिले तो महामारी को खत्म माना जाता है।

स्पा वाली महिला को पति प्रेम से रखता था

महिला ने पति के अत्याचारों से परेशान होकर पुलिस शिकायत की

राजकोट, २४ जनवरी।

भावनगर में आयोजित हुआ शादी प्रसंग में दो परिवारों के बीच युद्ध के मैदान में बदल गया था, जिसमें एक की हत्या हुई थी जबकि दोनों को गंभीर चोटें आई थी। भावनगर शहर के पानवाडी क्षेत्र में स्थित मंदिर के पास शादी पक्ष के परिवार के सदस्य और हमलावरों के बीच मारपीट होने पर यह घटना हुई थी। सूरत में रहते और वहां ही रत्न कलाकार के तौर पर काम करते २१ वर्षीय विरेन चौहाण ने शिकायत दर्ज कराई थी। भाई सूरज की हत्या करने के लिए उसने शिकायत में निकुंज कांबड, इसका भाई पार्थ, अजय मारवाडी, हितेश दामजी और अन्य दो अनजान शख्स के नाम दिए थे। विरेन, सूरज और इसके मां-पिता फई की बेटी भाविशा की शादी में उपस्थित होने के लिए भावनगर गये थे। रात को करीब १० बजे दांडिया रास खत्म होने के बाद विरेन का चचेरे भाई निरव और अन्य कई मेलडी माता के मंदिर पर गये थे और वहां सीढ़ी पर बैठे थे। उस समय में एक अज्ञात शख्स के साथ निकुंज वहां पहुंच गया और वहां बैठने का कारण पूछा था। इतना ही नहीं उसने कथित रूप से थप्पड़ मार दिया। निरव घर पर वापस आया था और उसने परिजनों को अपने साथ हुई घटना मामले में जानकारी दी। विरेन, इसका चचेरा भाई निकुंज और अन्य कई लोगों को ढूंढने के लिए सबसे पहले मंदिर गये बाद में इसके घर पर गये। लेकिन वह कहीं नहीं मिला। लेकिन जबकि वह भाविशा के घर पर वापस आया तब निकुंज और अन्य शख्स ने चाकू, पाइप और बेट लेकर पहुंच गये। केमणे सूरज को छाती और पेट पर मारा, इसका मौत होने पर वहां से चले गये। उन्होंने सूरज के मां जागृति, विरेन और विशाल को भी पाइप से पीटा था। पुलिस ने बताया है कि विशाल को गंभीर चोटे आई है और सभी सरकारी अस्पताल में उपचार के तहत है।

भावनगर में शादी के दिन कन्या के भाई की हत्या

अहमदाबाद, २४ जनवरी।

शहर के पॉश इलाके सेटेलाइट में स्थित एक सोसाइटी में रहती विवाहिता ने पति के खिलाफ मानसिक और शारीरिक अत्याचार करने पर शिकायत दर्ज कराई गई है। सेटेलाइट पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई शिकायत में विवाहिता ने यह भी बताया है कि इसके पति द्वारा स्पा में काम करती युवती का नंबर माय लाइफ लाइन नाम से फोन में सेव किया था। पॉश इलाके में रहती २६ वर्ष की विवाहिता ने शिकायत में बताया है कि, इसकी शादी वर्ष २०१७ में गौरव साखरवाट ने किया था। मूल नागपुर की विवाहिता ने अपने पति की करतूत मामले में बताया है कि, इसका पति पीजी के धंधे की आड़ में लफराबाजी करता था और शराब तथा जुआ खेलकर अत्याचार करता था। विवाहिता की शादी करने के तीन महीने में ही गर्भवती हो गई थी, ऐसे में पति ने खाना अच्छी नहीं बनाई होने का कहकर पांचवें महीने इसके पेट पर लात मारी थी।

धारी से भाजपा विधायक जेवी काकडिया कोरोना संक्रमित, होम आइसोलेट

अहमदाबाद (ईएमएस)गुजरात में कोरोना के मामले रॉकेट की गति से बढ़ रहे हैंराज्य में तीसरी लहर शुरू हो चुकी है और संक्रमित मरीजों की संख्या 134837 पर पहुंच गई हैंभाजपा और कांग्रेस विधायकों समेत राज्य सरकार के कई मंत्री भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैंबीते दिन राज्य के कृषि मंत्री राघवजी पटेल कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद होम आइसोलेट हो गए थेंआज अमरेली जिले की धारी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक जेवी काकडिया कोरोना संक्रमित हो गए हैंकोरोना के सामान्य लक्षण के बाद जेवी काकडिया ने टेस्ट करवाया थाँरिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जेवी काकडिया होम कोरटीन हो गए हैंट्वीट कर यह जानकारी देते हुए भाजपा विधायक जेवी काकडिया ने उनके संपर्क में आनेवाले लोगों से अपना कोरोना टेस्ट कराने की अपील की हैंगौरतलब है कि शनिवार को राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थींइसके अलावा भाजपा सांसद पूनम माडम और भरतसिंह डाभी भी कोरोना संक्रमित हैं और फिलहाल होम आइसोलेट हैंदूसरी ओर कांग्रेस विधायक हिम्मतसिंह पटेल, विक्रम माडम, प्रताप दूधात और अनिल जोशियारा भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं

25 जनवरी से वडोदरा कोटा पैसेंजर के दाहोद स्टेशन पर आगमन प्रस्थान समय में बदलाव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा के लिए ट्रेन नं 05831 (59831) वडोदरा- कोटा पैसेंजर के दाहोद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है जो इस प्रकार है।

वडोदरा मण्डल के पीआरओ श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि दिनांक 25-01-2022 (मंगलवार) से ट्रेन नं 05831 (59831), वडोदरा- कोटा पैसेंजर का दाहोद स्टेशन पर आगमन समय 10:45 व प्रस्थान समय 10:50 बजे रहेगा। वर्तमान में यह समय 10:35 व 10:40 बजे है।

ट्रक-टेम्पो के बीच दुर्घटना में महिला समेत 3 लोगों की मौत

कच्छ (ईएमएस)कच्छ के गांधीधाम में आज एक दर्दनाक हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गईबेलगाम ट्रक यात्रियों से भरे टेम्पो को टक्कर मारने के बाद उस पर पलटी खा गयाइस हादसे में टेम्पो के पखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गईजानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के गांधीधाम में आज सुबह करीब 11 बजे यात्रियों को लेकर जा रहे टेम्पो को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दीजिसके बाद बेलगाम हुआ ट्रक टेम्पो पर ही पलटी खा गईट्रक के पलटने से टेम्पो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार यात्री बुरी तरह फंस गएँघटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस व एम्ब्युलैंस 108 को सूचना दीँखबर पाते ही एम्ब्युलैंस 108 घटनास्थल पर पहुंच गई, परंतु टेम्पो में यात्री इस बुरी तरह से फंसे हुए थे, जिन्हें निकालने के लिए क्रेन की मंगानी पड़ीँक्रेन की मदद से टेम्पो से 3 लोगों को बाहर निकाला, जिसमें एक महिला यात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थीँजबकि अन्य दो यात्रियों की अस्पताल में मौत हो गईँदुर्घटना के बाद रोड़ पर लंबा जाम लग गया, जिसे काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बहाल कियाँ

बड़ी संख्या में लोग बुखार, सर्दी, खांसी के शिकार हुए

अहमदाबाद, २४ जनवरी।

आप अपने परिवार, पड़ोसी अन्य दोस्तों से सर्दी, खांसी या बुखार की शिकायत जरूर ही सुनी होगी। अहमदाबाद शहर में अभी बड़ी संख्या में लोग बीमार मालूम लग रहे हैं। कई लोग सर्दी, खांसी, बुखार की घरेलू इलाज से काम चला रहे है तो कई लोग अपने फैमिली डॉक्टर से दवाई ले रहे हैं। लेकिन विशेषज्ञों द्वारा सलाह दी गई है कि, अभी डबल सीजन नहीं है इसलिए वायरल इंफेक्शन की संभावना काफी कम है। इसलिए सर्दी, खांसी या बुखार हो तो इसे सामान्य वायरल इंफेक्शन समझकर लापरवाही बरतने की भूल नहीं करनी चाहिए। यदि आपको यह लक्षण दिखाई दे तो तुरंत कोरोना टेस्ट कराना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, अहमदाबाद शहर में अभी प्रत्येक १० में से १ घर में बुखार, सर्दी और खांसी मरीज देखने को मिलेंगे। शहर में करीब १ लाख यह मरीज अभी होने की संभावना है। इसलिए डॉक्टर ज्यादा सतर्क हुए है और लोगों को भी सावधान रहने की सलाह दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्यभर में दिसंबर महीने से ठंडी की शुरूआत हो गई है और अभी जनवरी महीना खत्म होने आया है। जिसकी वजह से कहा जा सकता है कि पिछले दो महीने से ठंडी चल रही है, जिसकी वजह से डबल सीजन की समस्या नहीं है। जो लोगों को बुखार, सर्दी या खांसी हो उनको कोरोना के माइल्ड लक्षण हो सकते है। इसलिए परिवार के और अन्य लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस प्रकार के लक्षण दिखाई दे तो तुरंत कोरोना टेस्ट कराने की सलाह दी गई है। अहमदाबाद शहर के स्वास्थ्य विभाग के सूत्र बताते है कि, कोरोना संक्रमण को नियंत्रण में रखने के लिए टीकाकरण अभियान ने महत्व की भूमिका निभाई है। संभव है कि वैक्सीन लेने वाले व्यक्ति भी कोरोना का शिकार बने, लेकिन उनमें गंभीर लक्षण नहीं मालूम हुए हैं।

हीरो मोटोकॉर्प ने 'एक्समपल्से 200 4 वॉल्वभ' के पहले बैच की बिक्री पूरी होने के बाद अगले लॉट के लिये ऑनलाइन बुकिंग्स शुरू कीं

ग्राहक अब कंपनी के ऑनलाइन बिक्री प्लैटफॉर्म ईशॉप पर इस मोटरसाइकल को आरक्षित कर सकते हैं

ग्राहकों को बेहतरीन और कॉन्टैपक्टमलेस अनुभव देने के लिये अपनी डिजिटल पहलों को और भी मजबूत करते हुए, हीरो मोटोकॉर्प ने अपने नई मोटरसाइकल एक्सअपल्से 200 4 वॉल्वत की ऑनलाइन बुकिंग्स शुरू करने की घोषणा की है। हीरो मोटोकॉर्प मोटरसाइकल्सन और स्कूएटर्स बनाने में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है और उसने पहले लॉट की बिक्री पूरी होने के बाद दूसरे बैच के लिये बुकिंग्सक स्वी कार करना शुरू किया है।

130,150 रूपये मूल्य (एक्सक-शोरूम- दिल्ली) की इस मोटरसाइकल को खरीदारी के सुगम अनुभव के लिये 10,000 रूपये के अग्रिम भुगतान द्वारा कंपनी के ऑनलाइन सेल्सू प्लेलटफॉर्म ईशॉप पर बुक किया जा सकता है। यह यूजर-फ्रैंडली सिस्टमम फैसला करने, वाहन खरीदने और डिलीवरी लेने के सभी जरूरी चरणों में ग्राहकों का मार्गदर्शन करता है।

बुकिंग्सय की घोषणा पर अपनी बात रखते हुए, हीरो मोटोकॉर्प में सेल्सि और आफ्टरसेल्सी के हेड नवीन चौहान ने कहा, ''हीरो एक्सुपल्सन 200 ने हमेशा बेजोड़ अनुभव देने के लिये प्रसिद्धि पाई है और यह अनुभव अनोखी टेक्नोनलॉजी, आधुनिक डिजाइन और अलग अपील से मिलता है। एक्स पल्सय 200 4 वॉल्वु को हमारे ग्राहकों से जो सकारात्मॉक प्रतिसाद और व्यापक स्वी कार्यता मिली है, उससे हम बहुत खुश हैं।

अदानी विल्मर लिमिटेड का आईपीओ गुरुवार, 27 जनवरी, 2022 को खुलेगा

☐ प्राइस बैंड 1 रुपये के अंकित मूल्य पर 218 रु. से 230 रु. प्रति इक्विटी शेयर के बीच तय (ठइक्विटी शेयर्स'')

मुंबई, 21 जनवरी, 2022: अदानी विल्मर लिमिटेड (कंपनी) गुरुवार, 27 जनवरी, 2022 को अपने आईपीओ संबंधी अपनी बोली/इश्यू (ठइश्यूठ) खोलेगा।

इश्यू का प्राइस बैंड 1 रु. के अंकित मूल्य पर 218 रु. से 230 रु. प्रति इक्विटी शेयर (ठइक्विटी शेयर्स'') तय किया गया है। न्यूनतम 65 इक्विटी शेयर और उसके बाद 65 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

ऑफर में कंपनी के कुल 36,000 मिलियन रु. के इक्विटी शेयर्स का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसमें से कुल 1,070 मिलियन रु. के इक्विटी शेयर्स आरएचपी में बताये गये तरीके से कुछ पात्र कर्मचारियों (ठकर्मचारी आरक्षण हिस्साठ) को आवंटित किये जाने के लिए उपलब्ध होंगे और कुल 3,600 मिलियन रु. के इक्विटी शेयर्स कंपनी के प्रमोटर, अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ठएईएलईठऔर इस इश्यू का ऐसा हिस्सा, ठशेयरधारक आरक्षण हिस्साठ) के कुछ पात्र शेयरधारकों को आवंटन के लिए उपलब्ध होंगे। कर्मचारी आरक्षण हिस्सा और शेयरधारक आरक्षण हिस्सा को घटाने के बाद बचा इश्यू, नेट इश्यू (ठनेट इश्यू'') है। 21 रु. प्रति इक्विटी शेयर की छूट कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को दी जा रही है और इस तरह की छूट को 19 जनवरी, 2022 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ठआरएचपी'') के हिस्से के रूप में माना जाना चाहिए और इसे आरएचपी के साथ मिलाकर पढ़ा जाना चाहिए।

विवरण के लिए, आरएचपी के ठपृष्ठ 362ठ पर शुरू होने वाले इश्यू प्रोसिजर को देखें।

आरएचपी के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयर्स बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किये जाने हेतु प्रस्तावित हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95